Weather Report
अधिकतम तापमानः 32.0c
न्यूनतम तापमानः 21.0c
हवा गतिः 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबहः 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्षः 11 अंकः 96 जयपुर, बुधवार, 11 सितम्बर 2024 पृष्ठः8 मूल्यः ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

राहुल ने बताया आरक्षण कब खत्म होगाः अमेरिका में बोले

दलितों को 100 में 5 रुपए मिलते हैं, मायावती बोलीं- ये आरक्षण छीनने की साजिश

■ संजीवनी टुडे

वर्जीनिया/वॉशिंगटन। अमेरिका दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी ने मंगलवार को आरक्षण पर बयान दिया। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस तभी आरक्षण खत्म करने के बारे में सोचेगी, जब देश में सभी को समान अवसर मिलने लगेंगे। फिलहाल भारत में ऐसी स्थिति नहीं है। दरअसल, वॉशिंगटन डीसी के जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी में राहुल से पूछा गया था कि भारत में आरक्षण कब तक चलेगा? इसके जवाब में उन्होंने ये बातें कहीं। इसके बाद भारत में मायावती ने उनके बयान की निंदा की है। उन्होंने कहा, ''राहुल के नाटक से सतर्क रहें, वे आरक्षण को खत्म करने की साजिश में जुटे हैं। अमेरिका में दिए राहुल के एक और बयान पर विरोधियों ने उनकी निंदा की है। इस पर भाजपा नेता हरदीप सिंह पुरी ने कहा, ''सिखों को भारत में तभी डर लगा था जब राहुल का परिवार सत्ता में था। मैं 6 दशकों से पगड़ी पहन रहा हूं।'' वहीं, भाजपा के प्रवक्ता आरपी सिंह ने सिखों पर दिए बयान पर राहुल को कोर्ट में घसीटने की बात कही है। वहीं राहुल के आरक्षण वाले बयान पर भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने निशाना साधते हुए कहा कि ्रआरक्षण का विरोध उनकी विरासत है। राहुल जिस संविधान को लेकर घूमते हैं, उसी के साथ सबसे बड़ा छलावा और धोखा कर रहे हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि ये आरक्षण खत्म करने की सोची समझी रणनीति और षडयंत्र है।

आरक्षण खत्म करने का अभी सही समय नहीं

कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के बारे में तब सोचेगी, जब सही समय होगा। जब आप वित्तीय आंकड़ों को देखते हैं, तो आदिवासियों को 100 रुपए में से 10 पैसे मिलते हैं, दलितों को 100 रुपए में से 5 रुपए मिलते हैं और ग्उए को भी लगभग इतनी ही रकम मिलती है। भारत के बिजनेस लीडर्स की लिस्ट देखें। मुझे लगता है कि टॉप 200 में से एक ओबीसी है, जबकि वे भारत में 50% हैं, लेकिन हम इस बीमारी का इलाज नहीं कर रहे हैं। उनका संविधान की रक्षा का दावा एक ढकोसला है। राहुल गांधी जब भी विदेश जाते हैं उनका मकसद भारत को नीचा दिखाना और अपमानित करना होता है। उनका वहां चीन के प्रति प्रेम उभर आता है। राहुल ने कहा था, भारत में सिख समुदाय के बीच इस बात की चिंता है कि उन्हें पगड़ी, कड़ा पहनने की इजाजत दी जाएगी या नहीं? क्या वे गुरुद्वारे जा सकेंगे? ये चिंता सिर्फ सिखों की नहीं बल्कि सभी धर्मों के लिए है।

भारतीय समुदाय से राहुल बोले- देश सबका, यह भाजपा नहीं मानती

हमारी पार्टी के फाइनेंस डिपार्टमेंट के एक व्यक्ति ने बताया कि हमारे सभी खाते सील हो गए। हमारे पास विज्ञापन और कैंपेनिंग तक के पैसे नहीं थे। नेताओं के आने-जाने के लिए भी रकम नहीं थी। मेरे सामने भी ऐसा पहला अनुभव था। ट्रेजरर ने मुझसे कहा था कि पैसे नहीं हैं। मैंने जवाब दिया कि जो होगा, देखा जाएगा। हमने इसी स्पिरिट के साथ आम चुनाव लड़ा। भाजपा को समझ में नहीं आता कि यह देश सबका है। भारत एक संघ है। संविधान में साफ लिखा है। भारत एक संघ राज्य है, जिसमें विभिन्न इतिहास, परंपराएं, संगीत और नृत्य शामिल हैं। उख्क्रकहती है कि ये संघ नहीं है, ये अलग है। भारत के दलित, ओबीसी, आदिवासी को उनका हक नहीं मिल रहा है। देश के 90% आबादी वाले ओबीसी, दलित और आदिवासी इस खेल में ही नहीं हैं। जातिगत जनगणना यह जानने का आसान तरीका है कि निचली जातियां, पिछड़ी जातियां और दलित किस स्थिति में हैं। देश के सर्वोच्च न्यायालय में देखिए, उनकी कोई भागीदारी नहीं है। मीडिया में देखिए, वहां निचली जातियां, ग्उए, दलित हैं ही नहीं। हम में से ज्यादातर जाति जनगणना के विचार पर सहमत हैं। हमारा गठबंधन इंडिया इस बात पर सहमत है कि भारत के संविधान की रक्षा की जानी चाहिए। भारत के बिजनेस को सिर्फ दो लोग अडाणी और अंबानी नहीं चला सकते।

जो राम को लाए हैं.. गाने वाले कन्हैया का यूटर्न

बोले- कांग्रेस में नहीं जाऊंगा, हम सभी राम के हैं, सनातनियों को सुनेंगे-चुनेंगे

■ संजीवनी टुडे

लुधियाना। जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे गाने वाले कन्हैया मित्तल कांग्रेस जॉइन के फैसले से यू-टर्न ले लिया है। वह कांग्रेस जॉइन नहीं करेंगे। इसको लेकर कन्हैया मित्तल मंगलवार को दोपहर बाद सोशल मीडिया (फ़ेसबुक) पर लाइव हुए। इस दौरान उन्होंने माफी भी मांगी। उन्होंने कहा कि वह सनातनियों को सुनेंगे और सनातनियों को चुनेंगे। भजन गायक कन्हैया मित्तल ने 8 सितंबर को कांग्रेस में जाने की बात कही थी। हालांकि उन्होंने पार्टी जॉइन करने की तारीख नहीं बताई थी। इसके बाद उनका लुधियाना समेत कई जगह विरोध हुआ। वह पंचकूला सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहते थे। हालांकि भाजपा ने यहां से ज्ञानचंद गुप्ता को दोबारा टिकट दिया है। कन्हैया मित्तल वही गायक हैं, जिन्होंने 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले 'जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे' गाना गाया था। यह गाना काफी फ़ेमस हुआ था। मित्तल अक्सर भाजपा के कार्यक्रमों में नजर आते हैं। कन्हैया मित्तल ने कहा कि पिछले दो दिनों से मुझे यह एहसास हुआ कि उनके सभी सनातनी भाई-बहन खासकर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व उन्हें इतना प्यार करता है और इतनी चिंता करता है कि

दो दिनों से सब परेशान हैं और मैं सभी से माफी मांगता हूं। सब परेशान हैं और जो मैंने अपने मन की बात कही थी कि मैं कांग्रेस जॉइन कर रहा हूं, इस बयान को वापस लेता हूं। क्योंकि मैं नहीं चाहता कि किसी भी सनातनी का भरोसा टूटे। हम सभी राम के हैं और राम के रहेंगे। कोई अपना ही होता है जो अपने की गलती पर परेशान होता है। मुझे लगा कि मेरे मन की बात गलत है और इसे वापस लूं। एक बार फिर सभी से माफी मांगता हूं। सभी का धन्यवाद। सभी ऐसे ही जुड़े रहें और देश की सेवा करते रहें। कन्हैया मित्तल ने 4 अगस्त को चंडीगढ़ सेक्टर-30 स्थित अग्रवाल भवन से हिसार के अग्रोहा धाम के लिए पदयात्रा शुरू की थी। यह यात्रा 278 किलोमीटर की थी। 12 दिनों में यह यात्रा अग्रोहा पहुंची।

फोन टेपिंग मामले में केन्द्र सरकार के खिलाफ केस वापस

भजनलाल सरकार के प्रार्थना पत्र पर सुप्रीम कोर्ट ने दी अनुमति, गहलोत के समय दायर हुई थी याचिका

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। भजनलाल सरकार ने फोन टैपिंग मामले में केंद्र सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर केस वापस ले लिया है। आज सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की एप्लिकेशन को मंजूर करते हुए केन्द्र सरकार के खिलाफ दायर याचिका को खारिज़ कर दिया हैं। तत्कालीन गहलोत सरकार ने फोन टैपिंग से जुड़े मामले में दिल्ली पुलिस को राजस्थान में जांच से रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका दायर की थी। भजनलाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में प्रार्थना पत्र लगाकर कहा था कि यह मुकदमा मेरिट पर आगे नहीं चल सकता है। ऐसे में न्याय के हित में और न्यायालय का कीमती समय बचाने के लिए राज्य सरकार ने यह मुकदमा वापस लेना चाहती हैं। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राज्य सरकार पर फोन टैपिंग का आरोप लगाते हुए 25 मार्च 2021 को दिल्ली क्राइम ब्रांच में पूर्व सीएम अशोक गहलोत के तत्कालीन ओएसडी लोकेश शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। गहलोत सरकार तब दिल्ली क्राइम ब्रांच को इस मुकदमे में जांच से रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट गई थी। गहलोत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर तर्क दिया था कि दिल्ली पुलिस के पास इस मामले की जांच का क्षेत्राधिकार नहीं है और केवल राजस्थान पुलिस को इस एफआईआर में जांच करनी

चाहिए। ऐसे में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग गहलोत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से की थी। यह मामला तभी से सुप्रीम कोर्ट में लंबित चल रहा है। फरवरी में सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई थी। उस समय राजस्थान सरकार ने कोर्ट से समय मांगते हुए कहा था कि वह मुकदमे को जारी रखना चाहती है कि नहीं, इस पर निर्णय लेगी। ऐसे में उसे कुछ समय दिया जाए। इसके बाद केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह ने दिल्ली पुलिस में परिवाद देकर जनप्रतिनिधियों के फोन टेप करने और उनकी छवि खराब करने का आरोप लगाया था। जिस पर 25 मार्च 2021 को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गहलोत के पूर्व ओएसडी लोकेश शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

गजेंद्र सिंह ने लगाया था छवि खराब करने का आरोप

यह पूरा मामला साल 2020 के राजस्थान के सियासी सकंट से जुड़ा हुआ है। तब लोकेश शर्मा ने मीडिया को एक ऑडियो क्लिप जारी की थी। इसमें कहा गया था कि सरकार को गिराने के लिए गजेंद्र सिंह नामक व्यक्ति, एक विधायक और एक दलाल की बातचीत इस ऑडियो क्लिप में है। इसी ऑडियो क्लिप के आधार पर तत्कालीन मुख्य सचेतक महेश जोशी ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, विधायक भंवरलाल शर्मा और दलाल संजय जैन के खिलाफ एसओजी में शिकायत दर्ज कराई थी।

अजमेर में ट्रैक पर सीमेंट के ब्लॉक्स रखे मिले

फुलेरा से अहमदाबाद जा रही मालगाड़ी टकराई, देश में 3 महीने में 9वीं घटना

■ संजीवनी टुडे

अजमेर। राजस्थान के अजमेर जिले के लामाना गांव में रेलवे ट्रैक पर दो जगह सीमेंट के ब्लॉक रखे मिले। इनसे फुलेरा से अहमदाबाद जा रही मालगाड़ी टकरा गई। यह घटना रविवार रात करीब 10:30 बजे की है। हालांकि, इसकी क्क्रट सोमवार देर रात दर्ज की गई और आज यानी मंगलवार को जानकारी सामने आई। उधर, पुलिस ने जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। इसे ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश माना जा रहा है। एक ब्लॉक का वजन 70 किलो बताया गया है। ट्रेन को पटरी से उतारने की कोशिश की यह राज्य में 17 दिन में तीसरी और देश में तीन महीने में नौवीं घटना है। इससे पहले 28 अगस्त को राजस्थान में ही बारां के छबड़ा में मालगाड़ी के ट्रैक पर बाइक का स्क्रैप फेंका गया था। इंजन बाइक के कबाड़ से टकरा गया था। वहीं, 23 अगस्त को पाली में अहमदाबाद-जोधपुर वंदे भारत ट्रैक पर रखे सीमेंट के ब्लॉक से टकरा गई थी। अजमेर रेंज डीआईजी ओमप्रकाश ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन किया है। एएसपी ग्रामीण दीपक शर्मा टीम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

दो जगह रखे गए थे ब्लॉक

रिपोर्ट डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन (डीएफसीसी) कर्मचारी रवि बुंदेला और विश्वजीत दास ने दर्ज करवाई है। रिपोर्ट के अनुसार, 8 सितंबर की रात 10:36 बजे सूचना मिली कि ट्रैक पर सीमेंट का ब्लॉक रखा हुआ है। मौके पर पहुंचे तो पाया कि वह टूटकर गिरा हुआ है। एक किमी आगे एक और ब्लॉक टूट कर साइड में गिरा हुआ था। ये दोनों ब्लॉक अलग-अलग ट्रैक पर रखे हुए थे। इसके बाद डीएफसीसी और रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स ने मिलकर सराधना से बांगड़ ग्राम स्टेशन तक पेट्रोलिंग की। इस दौरान स्थिति सामान्य पाई गई। जिस समय घटना हुई, उस दौरान ट्रैक के आसपास मौजूद लोगों के मोबाइल ट्रैस करने के प्रयास किए जा रहे हैं। टीम में डीएसपी ग्रामीण रामचंद्र चौधरी, एसएचओ सुरेंद्र सिंह सहित जिला स्पेशल और साइबर टीम को भी रखा गया है। वहीं नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लांभा ने गृह मंत्री से मांग की है कि इस नेटवर्क को खत्म करने के लिए ठोस कार्रवाई की जाए। पिछले कुछ महीने में देश के अलग-अलग हिस्सों में पटरियों से ट्रेन के उतरने की घटनाएं हुई हैं। यूपी में पिछले 24 दिन में तीन बार ट्रैक पर कोई भारी चीज रखकर ट्रेन पलटाने का साजिश की गई है। 16 अगस्त को साबरमती एक्सप्रेस कानपुर के गोविंदपुरी में ट्रैक पर रखे बोल्डर से टकराई। 24 अगस्त को फर्रुखाबाद से कासगंज जा रही पैसेंजर ट्रेन के ट्रैक पर लकड़ी का बड़ा टुकड़ा रखा था। स्पीड कम होने से हादसा नहीं हुआ।

आज भंग हो सकती है हरियाणा विधानसभा

■ संजीवनी टुडे

सीएम सैनी ने अर्जेंट कैबिनेट मीटिंग बुलाई; संवैधानिक संकट से बचने के लिए फैसला लेंगे

चंडीगढ़। हरियाणा में 12 सितंबर से पहले विधानसभा का मानसून सत्र बुलाने और विधानसभा भंग करने के संवैधानिक संकट के बीच हरियाणा सरकार ने अर्जेंट मंत्रिमंडल की बैठक बुला ली है। सूत्रों की मानें तो इस बैठक में विधानसभा भंग करने का फैसला लिया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में सरकार के अधिकांश मंत्री शामिल होंगे। सुबह भाजपा के उम्मीदवारों के नॉमिनेशन के कारण मीटिंग का समय आज शाम को तय किया गया है। मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से अभी तक बैठक का समय निर्धारित नहीं किया गया है, लेकिन सैनी के मंत्रियों को इसकी सूचना भेजी जा चुकी है। कुछ मंत्रियों के बैठक में शामिल न होने की स्थिति में उन्हें वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जुड़ने के आदेश दिए गए हैं। संविधान विशेषज्ञों की राय के अनुसार, ऐसा करना सरकार के लिए जरूरी है। वजह साफ है कि 6 माह के अंतराल से पूर्व सदन का अगला सत्र बुलाना संवैधानिक अनिवार्यता है। बेशक प्रदेश विधानसभा के ताजा चुनाव घोषित कर दिए गए हो। विधायी एवं संवैधानिक मामलों के जानकार हेमंत कुमार का कहना है कि बेशक चुनाव आयोग ने 15वीं हरियाणा विधानसभा के गठन के लिए आम चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी हो, उसमें भी सरकार सत्र बुला सकती है। उनका कहना है कि 14वीं हरियाणा विधानसभा, जिसका कार्यकाल 3 नवंबर 2024 तक है, एवं जिसका पिछला एक दिन का विशेष सत्र 5 माह पूर्व 13 मार्च 2024 को बुलाया गया था। ऐसे में संविधान के अनुच्छेद 174(1) की सख्त अनुपालना में मौजूदा प्रदेश विधानसभा का एक सत्र, बेशक वह एक दिन या आधे दिन की अवधि का ही क्यों न हो, वह आगामी 12 सितम्बर 2024 से पहले बुलाना अनिवार्य है। संविधान में स्पष्ट उल्लेख है कि पिछले सत्र की अंतिम बैठक और अगले सत्र की प्रथम बैठक के बीच 6 महीने का अंतराल नहीं होना चाहिए।

कोलकाता रेप-मर्डर केस, जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल जारी

पीड़ित की मां बोली- मेरे हजारों बच्चे सड़कों पर, यही मेरा त्योहार, बातचीत के लिए इंतजार करती रहीं सीएम

■ संजीवनी टुडे

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप-मर्डर के विरोध में जूनियर डॉक्टर्स की हड़ताल का आज 32वां दिन है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को न मानते हुए डॉक्टरों ने 10 सितंबर को स्वास्थ्य भवन तक मार्च निकाला और प्रदर्शन किया। जो रात भर चला। इस दौरान पीड़ित के पैरेंट्स भी पहुंचे। पीड़ित की मां ने कहा कि मेरे हजारों बच्चे सड़कों पर हैं। इसलिए मैं घर पर नहीं रह सकती थी।

मुख्यमंत्री ने त्योहार में शामिल होने के लिए कहा था, अब यही मेरा त्योहार है। उधर, स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को डॉक्टरों को मीटिंग के लिए बुलाया। लेकिन डॉक्टरों ने इनकार करते हुए कहा- हम जिसका इस्तीफा मांग रहे हैं, वही बैठक बुला रहा है। ये आंदोलन का अपमान है। डॉक्टरों को भेजे गए मेल में 10 प्रतिनिधियों को बुलाया गया था, लेकिन जवाब और प्रतिनिधिमंडल का करीब 80 मिनट तक इंतजार करके ममता बनर्जी नबन्ना से निकल गईं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज रेप पीड़ित को न्याय की मांग करते हुए बुजुर्ग महिलाओं ने भी प्रदर्शन किया।

कोलकाता में घोष के 7 ठिकानों पर छापा मारा

संदीप घोष की पत्नी ने बंगाल सरकार की मंजूरी के बिना खरीदी प्रॉपर्टी प्रवर्तन निदेशालय ने दावा किया है कि आरजी कर कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की पत्नी डॉ. संगीता ने पश्चिम बंगाल सरकार की मंजूरी के बिना दो अचल संपत्तियां खरीदीं। क्कने 6 सितंबर को कोलकाता में घोष के 7 ठिकानों पर छापा मारा था। इस दौरान उसे डॉक्टर दंपती के लगभग आधा दर्जन घरों, फ्लैटों और एक फार्महाउस से जुड़े स्तावेज मिले हैं। दिलचस्प बात यह है कि डॉ. संगीता घोष को 2021 में डॉ. संदीप घोष ने ही ये प्रॉपर्टी खरीदने के लिए परमिशन दी थी। तब संदीप घोष आरजी कर अस्पताल के प्रिंसिपल के रूप में और डॉ. संगीता

घोष वहां सहायक प्रोफ़ेसर के थीं। इधर, भ्रष्टाचार केस में अलीपुर कोर्ट ने संदीप घोष और उसके दो साथियों मेडिकल इक्विपमेंट्स सेलर बिप्लब सिंघा और फार्मेसी शॉप ओनर सुमन हजारा को 23 सितंबर तक ज्यूडीशियल कस्टडी में भेज दिया है। रेप पीड़ित ट्रेनी डॉक्टर के प्रतीक के तौर पर डॉक्टरों ने थर्माकोल से एक स्टेच्यू भी बनाया था। आरजी कर मेडिकल कॉलेज के 51 डॉक्टरों से पूछताछ आज आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल की इन्क्वायरी कमेटी ने मंगलवार को 51 डॉक्टरों को नोटिस जारी करके बुधवार (11 सितंबर) को पूछताछ के लिए बुलाया है। इन पर आरोप है कि उन्होंने कॉलेज में डर की संस्कृति को बढ़ावा दिया है और लोकतांत्रिक माहौल को खतरा पहुंचाया है। इन डॉक्टरों को अस्पताल प्रशासन के सामने अपनी बेगुनाही साबित करनी होगी। स्पेशल काउंसिल कमेटी ने फैसला लिया है कि इन 51 डॉक्टरों को कैंपस में तब तक नहीं आने दिया जाए, जब तक इन्क्वायरी कमेटी उनसे पूछताछ पूरी नहीं कर लेती। काम पर क्यों नहीं लौटे, डॉक्टर्स ने 5 वजह बताईं सुप्रीम कोर्ट ने 9 सितंबर की सुनवाई में डॉक्टरों को 10 सितंबर शाम 5 बजे से पहले काम पर लौटने को कहा था।

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत का आखिरी दिन

आज राउज एवेन्यू कोर्ट में सीबीआई की चार्जशीट का जवाब दाखिल करना होगा

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। शराब नीति मामले से जुड़े सीबीआई केस में सीएत अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत आज खत्म हो रही है। 3 सितंबर को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने एउत्र्ककी सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान लेकर केजरीवाल को समन जारी किया था। सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल, दुर्गेश पाठक, विनोद चौहान, आशीष माथुर, सरथ रेड्डी के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की थी। इसके बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोपियों को जवाब दाखिल करने के लिए 11 सितंबर तक का समय दिया था। वहीं 5 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई थी। केजरीवाल के वकील ने दलील दी कि केजरीवाल को इसलिए गिरफ्तार किया गया, ताकि वे जेल से बाहर ना आ सकें जबकि जमानत नियम और जेल अपवाद है। सीबीआई ने जवाब दिया कि केजरीवाल को जमानत के लिए पहले ट्रायल कोर्ट जाना चाहिए, सीधे सुप्रीम कोर्ट नहीं आना चाहिए। अगर उन्हें जमानत मिली तो हाईकोर्ट को निराशा होगी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। चार्जशीट में केजरीवाल का नाम मुख्य साजिशकर्ताओं में शामिल एउत्र्कने 30 जुलाई को चौथी सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें केजरीवाल को आरोपी बनाया गया था। एजेंसी ने आरोप लगाया गया कि केजरीवाल शराब नीति घोटाले में मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक हैं। सीबीआई को राउज एवेन्यू कोर्ट से 23 अगस्त को केजरीवाल पर मुकदमा चलाने की मंजूरी मिली थी। सीबीआई ने पांचवी और आखिरी चार्जशीट में कहा- केजरीवाल शुरू से आपराधिक साजिश में शामिल रहे इस केस में एउत्र्कने 7 सितंबर को राउज एवेन्यू कोर्ट में अपनी पांचवी और आखिरी चार्जशीट दाखिल की। सीबीआई ने कहा कि जांच पूरी हो गई है।

भाजपा विधायकों ने राष्ट्रपति को लिखा- केजरीवाल सरकार बर्खास्त करें

वह जेल से सरकार चला रहे, प्रेसिडेंट ऑफिस ने लेटर गृह मंत्रालय को भेजा

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली में भाजपा विधायकों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेटर लिखकर केजरीवाल सरकार को बर्खास्त करने की मांग की है। इस चिट्ठी को राष्ट्रपति कार्यालय ने गृह मंत्रालय के पास भेज दिया है। लेटर में लिखा गया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में हैं। ऐसे में सरकार से जुड़े कई काम अटके हुए हैं। फाइलों पर साइन नहीं हो पा रहे हैं। इस लेटर में विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेन्द्र गुप्ता समेत 7 अन्य विधायकों के अलावा एक पूर्व विधायक के साइन हैं। केजरीवाल को सीएम पद से हटाने की याचिका 2 बार खारिज मार्च में गिरफ्तारी के बाद अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया। वह जेल से ही सरकार चला रहे हैं। हालांकि, इस बीच केजरीवाल को सीएम पद से हटाने का मामला दो बार कोर्ट भी पहुंचा। दिल्ली हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को याचिका खारिज करते हुए कहा था- ये कार्यपालिका का मसला है। इएख मनमोहन ने कहा था, ''इस याचिका पर हमें सुनवाई नहीं करना चाहिए। कार्यपालिका को यह मामला देखना चाहिए।

दिल्ली में पहला राष्ट्रपति शासन केजरीवाल सरकार के वक्त लगा था

दिल्ली में पहली बार राष्ट्रपति शासन 15 फरवरी 2014 को लगा था। तब अरविंद केजरीवाल ने पहली बार मुख्यमंत्री बनने के 49 दिन बाद इस्तीफा दे दिया था। केजरीवाल ने कांग्रेस के समर्थन से सरकार बनाई थी। 13 फरवरी 2015 तक 363 दिन राष्ट्रपति शासन रहने के बाद केजरीवाल ने 14 फरवरी 2015 को फिर से दिल्ली की सत्ता संभाली। वे पूर्ण बहुमत से चुनाव जीतकर आए। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की 70 में से 67 सीटें जीती थीं। भाजपा विधायकों की मांग पर अगर राष्ट्रपति मानती हैं तो यह दूसरा मौका होगा, जब दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगे और इसका कारण भी केजरीवाल और आम आदमी पार्टी होगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सीएत पद से हटाने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट से भी खारिज हो चुकी है। जस्टिस खन्ना ने मामले में सुनवाई करते हुए कहा था- हम हाईकोर्ट के फैसले पर दखल नहीं दे रहे।

खबरें फटाफट

रिलायंस रिटेल और डेल्टा गैलिल ने भारत में परिधान क्षेत्र में इनोवेशन के लिए मिलाया हाथ

संजीवनी टुडे

मुंबई। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (रिलायंस रिटेल) और वैश्विक परिधान निर्माता डेल्टा गैलिल इंडस्ट्रीज ने भारत में एक संयुक्त उद्यम की घोषणा की है। इस 50-50 साझेदारी का उद्देश्य भारतीय बाजार में परिधान इनोवेशन प्लेटफॉर्म को स्थापित करना है। रिलायंस रिटेल के प्रबंध निदेशक वी. सुब्रमण्यम ने कहा, ल्डेल्टा गैलिल को एक वैश्विक इनोवेटर के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो हमारे उपभोक्ताओं को गुणवत्ता और नवाचार प्रदान करने के हमारे प्रयासों के साथ मेल खाता है। साथ मिलकर हम भारत के इंटीमेट अपैरल और एक्टिव वियर सेगमेंट में नवीनतम मानक स्थापित करेंगे। वहीं, डेल्टा गैलिल के सीईओ इसहाक दबाह ने कहा, ''रिलायंस रिटेल के साथ साझेदारी करना हमारे लिए गर्व की बात है, क्योंकि हम भारत के 1.4 बिलियन से अधिक उपभोक्ताओं के विशाल बाजार में प्रवेश कर रहे हैं।

नीमला डूंगरी वाले हनुमानजी महाराज का विशाल मेला व भंडारे का हुआ आयोजन

संजीवनी टुडे

राजगढ़ । उपखंड क्षेत्र के गाँव नीमला में पहाड़ पर विराजमान डूंगरी वाले हनुमानजी का मंगलवार को विशाल मेला व भंडारे का आयोजन किया गया । नेमी नीमला ने बताया की हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भादवा की सप्तमी को हनुमान जी का विशाल मेला व भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे दूर दराज से पधारे भक्तगणों ने मेले का आनंद उठाया मेले मे सेंकड़ों दुकाने लगाई व भक्तों ने भंडारे मे प्रसादी ग्रहण की मेले मे पधारे कलाकार झंडू राम मीना शेखपुरा,जलसिंह मीना खेड़ी टोड़ा भीम,महेश पीनान,द्वारा कथा सुनाई मेले के मुख्य अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री हेमसिंह भंडाना रहे मेले की अध्यक्षता नीमला सरपंच पिंकी मीना,व जावली का बाड़ सरपंच श्री राम मीना, ने की। बाहर से पधारे अथिति गण बसवा प्रधान सीताराम मीना,पंचायत समिति सदस्य सविता शर्मा,प्रहलाद शर्मा,नेमी नीमला,विश्राम रतनपुरा, राधे नीमला,विश्राम कोठीवाला, कमलेश ओजट, पीडी मीना,प्यारेलाल वकील, अर्जुन रेलवे ड्राइवर, मुरारी लाल मीना,नवल गोस्वामी व समस्त ग्राम वासी मौजूद रहे।

जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

संजीवनी टुडे

दूनी (टोंक)।68 वी जिला स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता (निजी एवं सरकारी विद्यालय) जुडो, कुश्ती व जिम्नास्टिक का आयोजन 8 सितम्बर से 12 सितम्बर तक आयोजक उच्च प्राथमिक विवेकानन्द पब्लिक स्कूल दूनी मे हो रहा है। जिसमें 27 टीम कुश्ती, 25 टीम जुडो और 20 टीम जिम्नास्टिक ने भाग लिया। इस क्रीड़ा प्रतियोगिता के उद?घाटन समारोह में मुख्य अतिथि शिवजी लाल चौधरी, विशिष्ट अतिथि सत्यनारायण तिवाड़ी, विष्णु सोनी, प्रशान्त बलाई, कैलाश वर्मा प्रधानाचार्य महात्मा गाँधी उच्च माध्यमिक विद्यालय दूनी तथा कार्यक्रम अध्यक्ष गोपाल लाल माली रहे। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल के सदस्य निर्णायक संयोजक मकबूल अहमद, जुडो, कुश्ती, जिम्नास्टिक निर्णायक महावीर मेहरा, रमेश, ओमप्रकाश, अशोक शर्मा एव जुडो एवं कुश्ती प्रतियोगिता के अजगर अली रहे। इन्होंने खेल की पारदर्शिता को देखते हुए प्रतियोगिता को सम्पन्न करवाया। प्रतियोगिता का समापन 12 सितम्बर को होगा। कल मंगलवार को जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में कई खिलाड़ियों ने भाग लिया। साथ ही खिलाड़ियों ने अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। यह सूचना आयोजक एवं निदेशक रमेश चन्द माली विवेकानन्द पब्लिक स्कूल दूनी ने दी।

शिक्षक धर्मपाल मीणा को मिला शिक्षक श्री अवार्ड

संजीवनी टुडे

राजगढ़। धर्मपाल मीणा प्रिंसिपल चिमरावली गौड लक्ष्मणगढ़ (अलवर)को राष्ट्रीय समता स्वतंत्र मंच की ओर से राष्ट्रीय शिक्षक सम्मेलन एवं विचार प्रेजेंटेशन हेतु अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में शिक्षक श्री अवार्ड 2024 मे नवाजा गया। इस अवसर पर महामहिम प्रथम उपराष्ट्रपति नेपाल न्यायमूर्ति परमानंद झा एवं नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री माननीय उपेंद्र यादव द्वारा प्रशंसा पत्र एवं सोल पहनाकर सम्मानित किया गया।

अर्बन स्केचर्स के स्केच्स की तीन दिवसीय प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

स्केचिंग भी एक साधना है, यूडीए कलाकारों को मंच देगाः आयुक्त राहुल जैन

संजीवनी टुडे

उदयपुर। उदयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त राहुल जैन ने कहा है कि स्केचिंग भी एक प्रकार की साधना है और इससे जुड़े अर्बन स्केचर्स ने लगातार एक सौ सप्ताह तक स्केचिंग करते हुए अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। यूडीए का भी प्रयास रहेगा कि इस प्रकार के कलाकारों को मंच प्रदान करते हुए उनके कला-कौशल को निखारे। जैन मंगलवार को सूचना केन्द्र में ऑन-लोकेशन स्केचिंग के लिए समर्पित स्केच आर्टिस्ट्स के वैश्विक समुदाय 'अर्बन स्केचर्स' उदयपुर द्वारा हर रविवार स्केच मीट का शतक पूरा होने के उपलक्ष में आयोजित तीन दिवसीय स्केच प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए संबोधित कर रहे थे।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि पर्यटन, इतिहास और कला-संस्कृति के लिए विश्वविख्यात लेकसिटी में कलाकारों द्वारा लगातार इस प्रकार से कला-साधना की जा रही है, यह सुखद है। हर व्यक्ति अपने खाली समय में किसी न किसी कला से जुड़कर मानसिक शांति की अनुभूति कर सकता है। उन्होंने सूचना केन्द्र द्वारा कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रकार के आयोजनों करने के प्रयासों की सराहना की। जैन ने सभी कलाकारों को आगामी दिनों में फतहसागर में स्थित नेहरू गार्डन में भी स्केचिंग के लिए आमंत्रित किया।

जैन ने प्रदर्शनी का फीता खोलकर और कैनवास पर चित्र बनाकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस दौरान बतौर विशिष्ट अतिथि कश्ती फाउंडेशन प्रमुख श्रद्धा मुर्डिया और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीरियर डिजाइनर के उदयपुर चेप्टर अध्यक्ष एआर वेणुगोपाल ने भी कैनवास पर चित्र बनाएं। उद्घाटन उपरांत अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। अर्बन स्केचर्स के प्रणेता, ख्यातनाम वास्तुविद और स्केच आर्टिस्ट सुनील एस लड्ढा व राहुल माली ने प्रदर्शनी का अवलोकन कराया। इस दौरान अर्बन स्केचर्स गुरप के दो दर्जन से अधिक कलाकारों ने अपने अपने स्केच्स के बारे में अतिथियों को जानकारी दी। कार्यक्रम दौरान रंगकर्मी दीपक दीक्षित, प्रस्तर शिल्पकार हेमंत जोशी, चित्रकार डॉ. चित्रसेन, रजत मेघनानी, विनय दवे सहित बड़ी संख्या में कलाप्रेमी मौजूद रहे। प्रदर्शनी अवलोकन दौरान कलाकारों द्वारा सूचना केन्द्र की कलादीर्घा के जीर्ण शीर्ण होने की स्थिति के बारे में बताने पर आयुक्त जैन ने कहा कि शहर के हृदय स्थल पर स्थित सूचना केन्द्र की कलादीर्घा का उदयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जीर्णोद्धार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कलादीर्घा को पूर्णतया वातानुकूलित किया जाएगा और इसमें अपेक्षित लाईटिंग इत्यादि करवाई जाएगी। उन्होंने कलादीर्घा के बाहरी हिस्से के भी सौंदर्यीकरण की आवश्यकता जताई। इस दौरान आर्किटेक्ट सुनील लड्ढा ने कलादीर्घा के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीरियर डिजाइनर की ओर से निःशुल्क डिजाइनिंग किए जाने की भी जानकारी दी। प्रदर्शनी के उद्घाटन दौरान ही मात्र 5 मिनट में चित्रकार राहुल माली ने मुख्य अतिथि यूडीए आयुक्त राहुल जैन का पोर्ट्रेट बनाकर उपलब्ध कराया तो वे अभिभूत हो गए और चित्रकार माली के कला-कौशल की तारीफ भी की।

जमुवाय सेवा समिति मीनावाला के द्वारा जमुवाय माता की 13 वी पद यात्रा का शुभारंभ

संजीवनी टुडे

जयपुर। जमुवाय सेवा समिति मीनावाला के द्वारा जमुवाय माता की 13 वी पद यात्रा झोटवाड़ा विधानसभा के वॉर्ड 51,48 सिरसी रोड पांच्यावाला से उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह की धर्मपत्नी मेजर डॉक्टर गायत्री राठौड़ के द्वारा रवाना की गई और सभी पद यात्रियों को मंगलकामनाएं शुभकामनाएं प्रेषित की, साथ में जलपान और फल फ़्रूट की की व्यवस्था की गई, इस मौक़े पर पार्षद कुमकुम शक्तिसिंह मानपूरा ने बताया कि हर साल की भाँति इस साल भी माता रानी की यात्रा निकाली गई इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर मेजर डॉक्टर गायत्री राठौड़ द्वारा रवाना किया गया। इससे सभी यात्रीगण बहुत उत्साहित हैं और भजन कीर्तन करते हुए पद यात्रा के लिए रवाना हुए। इस मौक़े पर विक्रम सिंह बेमोठ, नरपत सिंह नरुका, अध्यक्ष महेन्द्र सिंह, गजेंद्र सिंह करेरी,अजय सिंह चौहान, दिलीप सिंह तंवर,रामावतार यादव, अशोक यादव, मनोज सिंह, विष्णु अग्रवाल, परमेश्वर सिंह, नरेंद्र सिंह नेवरी, जगदीश सिंह साँवली, विनोद महला, राकेश बेरीवाल, रामावतार सिंह,वीरेंद्र सिंह चंवरा और काफ़ी संख्या में मातृ शक्ति मौजूद और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला कलक्टर शुभम चौधरी ने किया कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण

संजीवनी टुडे

राजसमंद। जिला कलेक्टर शुभम चौधरी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभी कार्यालयों और प्रभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की और समुचित दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम नरेश बुनकर ने साथ मौजूद रहकर निरीक्षण कराया। निरीक्षण के दौरान कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को त्वरित और सुलभ सेवाएं प्राप्त हो सकें। उन्होंने कार्यालयों में साफ-सफाई, रिकॉर्ड प्रबंधन, संपर्क पोर्टल, ई फ़ाइल और विभिन्न प्रकार की नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता पर जोर दिया। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि सभी विभागों का तालमेल और बेहतर समन्वय से विकास कार्यों में गति लाई जा सकती है। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए और यह सुनिश्चित करने पर बल दिया कि प्रशासनिक प्रक्रिया में कोई विलंब न हो। कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने राजकीय दायित्वों का समय पर निर्वहन करें और आमजन को संतोषजनक सेवाएं प्रदान करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में पूरा करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नियुक्ति तिथि से अध्यापिका की सेवा की गणना कर चयनित वेतनमान देने के प्रकरण का निस्तारण करने के हाई कोर्ट ने दिए आदेश

संजीवनी टुडे

जयपुर। एक अध्यापिका को उसकी प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना कर चयनित वेतनमान सहित सेवा परिलाभ दिए जाने के मामलें से जुड़ी याचिका का हाई कोर्ट ने निस्तारण कर स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव, माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा विभाग के निदेशक, डीईओ उदयपुर को हाई कोर्ट द्वारा समान तथ्यों में पूर्व में दिए गए कुसुमलता सूर्यवंशी बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान के मामलें में दिए गए निर्णय के आधार पर प्रार्थियां के तथ्यों का परीक्षण कर अभ्यावेदन का निस्तारण करने के आदेश दिए है। याचिकाकर्ता मधु गौतम ने अधिवक्ता संदीप कलवानिया के जरिए दायर याचिका में बताया कि प्रार्थियां की परित्यागता वर्ग में प्रथम नियुक्ति तृतीय श्रेणी

अध्यापिका के पद पर नियुक्ति हुई थी। प्रार्थियां नियुक्ति के समय अप्रशिक्षित थी और उसने सेवा में रहकर विभाग की अनुमति से नियुक्ति के बाद वर्ष 2005 में बीएसटीसी का प्रशिक्षण पूरा किया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने प्रथम नियुक्ति वर्ष 1996 मानकर प्रार्थियां को 10 वर्ष पूरे होने पर प्रथम चयनित वेतनमान का लाभ वर्ष 2006 में दे दिया गया। इसके पश्चात डीईओ उदयपुर ने आदेश जारी कर प्रार्थियां की सेवा बीएसटीसी उत्तीर्ण करने की तिथि से मानकर दूसरे चयनित वेतनमान का लाभ दिया जा रहा है। जबकि प्रार्थियां की प्रथम नियुक्ति वर्ष 1996 में नियमित पद पर नियुक्ति दी गई थी और इस कारण वह प्रथम नियुक्ति तिथि से ही सभी सेवा परिलाभ पाने की हकदार है। इसके बावजूद विभाग ने प्रार्थियां की सेवा गणना बीएसटीसी प्रशिक्षण प्राप्त करने की तिथि से की है। जबकि विभाग ने प्रार्थियां को प्रथम चयनित वेतनमान का लाभ प्रथम नियुक्ति तिथि से दिया गया है लेकिन अब दूसरे वेतनमान का लाभ नही दिया जा रहा है। इस प्रकार विभाग का कृत्य अनुचित एवं नियम विरुद्ध है। इसलिए प्रार्थियां ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर प्रथम नियुक्ति तिथि से ही एसीपी सहित सभी सेवा परिलाभ दिए जाने की गुहार लगाई थी।

टोडारायसिंह इंडोर स्टेडियम व रनिंग ट्रैक निर्माण की मांग, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

संजीवनी टुडे

टोडारायसिंह (केकडी)। टोडारायसिंह के आमजन द्वारा कल मंगलवार को उपखण्ड अधिकारी को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपकर टोडारायसिंह में इंडोर स्टेडियम व रनिंग ट्रैक निर्माण की मांग रखी गई। ज्ञापन में बताया गया कि टोडारायसिंह में आजादी से लेकर भी आज तक किसी प्रकार के खेल मैदान की उपलब्धता नही है। उचित खेल मैदान तथा संसाधनों के अभाव में टोडारायसिंह क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मौका नही मिल पाता। केंद्र सरकार द्वारा खेलो इंडिया योजना के द्वारा करोड़ो अरबों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा खेल कोटे से विभिन्न प्रकार की नौकरियों में वरीयता दिए जाने की योजनाएं बनी हुई हैं। लेकिन उचित खेल मैदान और संसाधन के अभाव में टोडारायसिंह के युवाओं को कोई लाभ नहीं मिल पाता। टोडारायसिंह के सैकड़ों युवाओं द्वारा अग्निवीर योजना की तैयारी के लिय सड़क पर दौड़ लगाकर की जाती हैं। जिससे सड़क पर आने वाले वाहनों से उनके दुर्घटना होने का अंदेशा बना रहता है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को दिए ज्ञापन में सभी बिंदुओं पर गौर कर टोडारायसिंह में जल्द से जल्द मल्टीप्रपज इंडोर स्टेडियम व रनिंग ट्रैक निर्माण की मांग की गई है। आने वाले दिनों में टोडारायसिंह के सभी पार्टी के पदाधिकारियों को भी खेल मैदान की मांग से अवगत करवाया जायेगा। ज्ञापन देने वालों में इमरान अली देशवाली, उस्मान अली अल्पसंख्यक मोर्चा, मो कलीम, शाहरुक पटेल, राम लाल, रणजीत सिंह, नोरत मल वर्मा, सादात पहलवान, ओम प्रकाश सैनी आदि उपस्थित रहे।

टोडाभीम के करीरी में कुश्ती के रोमांच को देखने उमड़े हजारों लोग,आखिरी कुश्ती का रोमांच बराबर रहा

संजीवनी टुडे

टोडाभीम। क्षेत्र के करीरी में भैरों बाबा के लक्खी मेले का आयोजन शानदार तरीके से संपन्न हुआ। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ऐतिहासिक कुश्ती दंगल एवं भैरों बाबा का लक्खी मेला आयोजित हुआ।जिसमें लाखों की संख्या में सर्व समाज के लोगों ने दूर-दराज से पधार कर कुश्ती दंगल का आनंद लिया।कुश्ती दंगल की आयोजन कमेटी के सदस्य व संचालन कर्ता मनीराम ठेकेदार खेड़ी ने बताया कि इस मेले का आयोजन करीरी ग्राम पंचायत के स्थानीय सरपंच तथा ग्राम वासियों के सहयोग से हर वर्ष करवाया जाता है। हर बार इस कुश्ती दंगल में राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश,पंजाब, हरियाणा,दिल्ली आदि पड़ोसी राज्यों के पहलवान भाग लेने आते हैं। इस बार कुश्ती दंगल में कुल 300 के लगभग कुश्ती आयोजित हुई,जिनमें पहली कुश्ती की शुरुआत 101 रुपए से हुई तथा फाइनल कुश्ती 2 लाख 11 हजार रूपए की हुई।कुश्ती दंगल का फाइनल मुकाबला सुखसैन पहलवान हरियाणा और निशांत पहलवान हरियाणा के बीच हुआ,जो 20 मिनट तक की मशक्कत के बाद भी बराबरी पर छूटा।दोनों विजेता पहलवानों को स्थानीय सरपंच लिक्ष्मा देवी ने राशि को संयुक्त रूप से

बराबर बांटकर पुरस्कृत किया।इस अवसर पर अतिथियों के रूप में महवा विधायक राजेंद्र मीणा,सपोटरा विधायक हंसराज मीणा,टोडाभीम विधायक घनश्याम महर आदि सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे,जिनसे हजारों लोगों ने डिंपल बिना हत्याकांड मामले में न्याय दिलाने की गुहार भी लगाई।

भैरों बाबा के लक्खी मेले के इस अवसर पर हजारों लोग भैरों बाबा के मंदिर का दर्शन कर पूजा अर्चना करते हैं।तथा समस्त ग्रामवासी अपने-अपने घरों में खीर पुए का पकवान बनाते हैं और बाहर से आए सभी लोगों के लिए खाने की व्यवस्था करते हैं।इस अवसर पर लोगों की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाते हैं और पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहता है।टोडाभीम के करीरी गांव का ऐतिहासिक कुश्ती दंगल देश का एकमात्र ऐसा दंगल है जिसमें सबसे ज्यादा दर्शकों की मौजूदगी रहती है,फाइनल कुश्ती के दौरान लगभग 1 लाख के आसपास दर्शक मौजूद रहते हैं।कुश्ती दंगल के दौरान डिंपल मीणा हत्याकांड मामले में न्यायिक जांच का मुद्दा भी छाया रहा।

किसान आयोग चैयरमेन पहूँचे उदयपुर, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से की चर्चा

संजीवनी टुडे

उदयपुर। राज्य किसान आयोग के चैयरमैन एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सी आर चौधरी मंगलवार शाम को उदयपुर पहुंचे। वे बुधवार को डूंगरपुर एवं सलूंबर में आयोजित होने वाले किसान सम्मेलन में भाग लेने हेतु यहां पहुंचे हैं। मंगलवार शाम कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के संभाग एवं जिला स्तरीय अधिकारियों ने सर्किट हाउस में चौधरी से भेंट कर विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्रदान की। इस दौरान आयोग अध्यक्ष चौधरी ने अधिकारियों से जनजाति क्षेत्र में कृषि विकास एवं कृषि शिक्षा को बढ़ावा देने के संबंध में चर्चा की, उल्लेखनीय है कि वे बुधवार को आयोजित होने वाले किसान सम्मेलन में जनजाति किसानों से रूबरू होते हुए उनसे संवाद करेंगे तथा किसानों को होने वाली समस्याओं के संबंध में फीडबैक लेते हुए राज्य सरकार को अवगत करवाएंगे। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक भूरालाल पाटीदार, संयुक्त निदेशक उद्यान डॉ रविन्द्र वर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) सुधीर वर्मा, रमेश धाकड़ कृषि अधिकारी महेश आमेटा आदि मौजूद रहे।

स्काउट गाइड समापन समारोह का हुआ आयोजन

संजीवनी टुडे

बूंदी। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय बूंदी राजस्थान के तत्वाधान में आयोजित राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर स्काउट गाइड रोवर रेंजर एवं निपुण रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह पेच ग्राउंड बूंदी में आयोजित किया गया। जिला संगठन आयुक्त एवं जिला सचिव सुरेंद्र कुमार मेहरड़ा ने बताया कि 7 सितंबर से 11 सितंबर तक आयोजित हो रहे शिविर का एक दिन पूर्व समापन समारोह आयोजित किया गया।

अगले दिन सर्वधर्म प्रार्थना के साथ शिविर का समापन होगा। ट्रेनिंग काउंसलर जितेन्द्र शर्मा द्वारा शिविर में छात्र-छात्राओं को राज्य पुरस्कार एवं निपुण के प्रश्नावली को हल कराया गया। कैंप के दौरान ट्रेनिंग काउंसलर नीरज कुमार शर्मा द्वारा योग, व्यायाम एवं बीपी सिक्स का अभ्यास कर गया। ट्रेनिंग काउंसलर विश्वजीत जोशी ने छात्रों को संगठन एवं स्काउट जीवन के बारे में परिचय करवाया। ट्रेनिंग काउंसलर लोकेश सैनी द्वारा गणवेश के विभिन्न भागों को समझाते हुए राज्य पुरस्कार के बेज प्राप्त करने

की जानकारी दी। ट्रेनिंग काउंसलर गिरिराज बैरवा ने छात्रों से श्रमदान करवाया और स्काउट एंड गाइड गाइड्स को प्राथमिक सहायता के बारे में बताया गया ,ट्रेनिंग काउंसलर जसपाल द्वारा सेवा के उद्देश्यों को समझाया। जिला संगठन आयुक्त गाइड मधु कुमारी ने गर्ल्स गाइडिंग का परिचय देते हुए दिशा ज्ञान के बारे में जानकारी दी। ट्रेनिंग काउंसलर रश्मि लखोटिया, पल्लवी गर्ग, उम्मे हबीबा, प्रीति शर्मा आदि ने रेंजर गाइडिंग के सिद्धांतों का प्रशिक्षण प्रदान किया। ट्रेनिंग काउंसलर रतनलाल बैरवा द्वारा पंजीकरण एवं टोली निर्माण कार्य करते हुए पायनियरिंग एवं गांठों का प्रशिक्षण प्रदान किया।

स्काउट जिला परिषद बूंदी की वार्षिक बैठक का होगा आयोजन

जिला सचिव सुरेंद्र कुमार मेहरड़ा ने बताया कि 11 सितंबर को स्काउट जिला परिषद बूंदी की वार्षिक बैठक शगुन मैरिज गार्डन बूंदी मे आयोजन किया जाएगा। स्काउट जिला मुख्य आयुक्त एवं जिला मुख्य शिक्षा अधिकारी बूंदी महावीर प्रसाद शर्मा की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जिले के समस्त जिला आयुक्त, हेड क्वार्टर कमिश्नर, सहायक राज्य संगठन आयुक्त, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर, सहायक जिला कमिश्नर, जिला प्रशिक्षण आयुक्त, सीओ स्काउट व गाइड, जिले के समस्त लोकल एसोसिएशन (एल ए) के सचिव, संयुक्त सचिव, ट्रेनिंग काउंसलर, स्काउटर, गाइडर, रोवर लीडर एवं रेंजर लीडर, जिले के समस्त आजीवन स्काउट सदस्य, युवा कमेटी के सदस्य आदि भाग लेंगे। वार्षिक बैठक में वर्षपर्यंत श्रेष्ठ कार्य करने वाले स्काउटर गाइडर का सम्मान किया जाएगा।

जेकेके में सम्मानित हुए देश के कोने-कोने से 150 से अधिक प्रिंसिपल्स व शिक्षक

13वां प्रिंसीपल्स एंड टीचर्स अवॉर्ड 2024 समारोह का समापन

संजीवनी टुडे

जयपुर थार सर्वोदय संस्थान, सिम्पली जयपुर और रघु सिन्हा माला माथुर चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में प्रिंसीपल्स एंड टीचर्स अवॉर्ड 2024 के 13वें संस्करण का शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर राजस्थान समेत देश के विभिन्न प्रांतों से करीब डेढ़ सौ अधिक शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस मौके पर राज्य मंत्री भूपेंद्र सैनी, पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल, शिल्पा गोलेचा, अंशुल जैन आदि मौजूद थे। आयोजक सोमेंद्र हर्ष और अंशु हर्ष ने बताया कि राजस्थान के 8 शहरों जयपुर, जोधपुर, अजमेर, बाड़मेर, उदयपुर, पाली, कोटा एवं जालोर से 111 शिक्षकों के अलावा दिल्ली, लखनऊ , जम्मू और कश्मीर, देहरादून से करीब 41 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। रघु सिन्हा माला माथुर चैरिटी ट्रस्ट के ट्रस्टी सुधीर माथुर ने बताया कि इस वर्ष माला माथुर मेमोरियल लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड इन एजुकेशन शिक्षा क्षेत्र में कड़ी मेहनत और उपलब्धि का सम्मान किया गया है। इनमें डॉ.जसबीर जैन, प्रोक्त डॉ.पवन सुराणा, डॉ. दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, रूप कौल, उदय मिर्धा और पंचशील जैन को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया। समारोह में छात्राओं ने भरतनाट्यम नृत्य समेत राजस्थानी लोकनृत्यों की सलोनी प्रस्तुतियां दीं।

खबरें फटाफट

डाक विभाग का सुकन्या समृद्धि का विशेष अभियान जारी

संजीवनी टुडे

सलूंबर। उदयपुर मंडल के सलुम्बर उपमंडल सहित समस्त उपमंडल के प्रत्येक डाकघर में सितम्बर माह में सुकन्या समृद्धि खाते खोलने का विशेष अभियान 01 सितम्बर से प्रारंभ हो गया है जिसमे 10 वर्ष तक की बालिकाओं का सुकन्या समृद्धि खाते खोले जा रहे है क्रप्रवर अधीक्षक डाकघर उदयपुर मंडल एवं निरीक्षक डाक सलुम्बर उपमंडल के अनुसार सुकन्या समृद्धि खाते खोलने हेतु सलुम्बर के प्रत्येक उपडाकघर में विशेष काउंटर की व्यवस्था की गई है क्रसाथ ही कैंप लगाकर भी खाते खोले जा रहे है क्रइस अभियान के तहत डाक विभाग के कर्मचारी घर घर जाकर जागरूकता अभियान भी चला रहे है क्र इसके अतिरिक्त प्रवर अधीक्षक डाकघर ने उपखंड के समस्त भामाशाह एवं सामाजिक संस्थाओं से भी इस योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक खाते खुलवाने एवं आमजन को प्रेरित करने का आग्रह किया है। यह खाता दस वर्ष तक की बालिकाओं का खोला जा सकेगा क्र यह योजना भारत सरकार की अच्छी ब्याज दर देने वाली योजना है क्रइस योजना में अभिभावकों को जमा राशि पर आयकर में छुट का प्रावधान भी है। खाता खुलवाने के लिए बिटिया का आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र एवं अभिभावक का आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं दो फोटो की आवश्यकता है क्रयह खाता मात्र 250/- रु. से खोला जा सकेगा क्र सुकन्या समृद्धि योजना के तहत अधिक से अधिक खाता खुलवाने के लिए 30 सितम्बर तक पुरे सलुम्बर उपमंडल के 9 उपडाकघरों एवं 88 शाखाडाकघरों में 2500 खाते खोलने का लक्ष्य रखा गया है।

9 फिट लंबे अजगर ने किया मोर का शिकार : विभाग की टीम ने अजगर का किया रेस्क्यू

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। जिले के सागवाड़ा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मांडव में आज सुबह कल्ला जी राठौड़ मंदिर के पास एक 9 फिट लंबे अजगर ने राष्ट्रीय पक्षी मोर का शिकार कर उसकी जान ले ली, घटना की जानकारी ग्रामवासियों ने शेख राजू भाई बर्तन वाला व वन विभाग को सूचना दी। सूचना पर वनपाल हर्षित परमार, सुरक्षा कर्मी गौतम भाई घटना स्थल पर पहुंचे तथा वासु भाई, विनोद पंड्या, जयंतीलाल एवं ग्रामीणों के सहयोग से अजगर के कब्जे में फंसे मोर को छुड़वाया, लेकिन तब तक मोर की मौत हो चुकी थी। टीम द्वारा सावधानी पूर्वक अजगर का रेस्क्यू किया गया एवं बोरे में डालकर सुरक्षित जंगल मे छोड़ दिया गया, वहीं मोर के शव को वन विभाग टीम ने कब्जे में ले लिया, मौके पर कई लोगो की भीड़ लग गई।

गणपति महोत्सव समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया

संजीवनी टुडे

जयपुर। किशनपोल नवयुवक मण्डल द्वारा भव्य 35वा श्री गणपति महोत्सव समारोह बड़ी धूमधाम से रोज मनाया जा रहा हैं। सात तारीख को 50 फिट ऊंचे भव्य पंडाल में सवा छह फीट की गणपति प्रतिमा को स्थापित की गई । रोज सांस्कृतिक कार्यक्रम और गरबे का आयोजन किया जा रहा है। 14 तारीख को भव्य भजन संध्या का आयोजन होगा। गायक कलाकार राजसमंद से आयेंगे। यह जानकारी मंडल अध्यक्ष नारायण लाल सालवी ने दी। 16 तारीख को रात्रि जागरण हे। इसमें 1500 दीपक की भव्य आरती की जाएगी व भव्य आतिस्बाजी की जाएगी। 17 तारीख को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर.चौधरी दो दिवसीय जिले के दौरे पर

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री सी.आर.चौधरी भारत सरकार 11 एवं 12 सितम्बर को जिले के दौरे पर रहेंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश चन्द्र धाकड़ ने बताया कि राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष चौधरी 11 सितम्बर को प्रातः 10 बजे सर्किट हाउस, डूंगरपुर पहुंचेंगे। वे वहां पर कार्यकर्ताओं एवं आमजन से भेंट करेंगे। इसके पश्चात वे प्रातः 10.55 बजे सर्किट हाउस से विजयाराजे सिंधिया ऑडिटोरियम में कृषक संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे। वहां से वे दोपहर 2.20 बजे कृषि भवन, आत्मा कार्यालय डूंगरपुर में समीक्षा बैठक लेंगे एवं शाम 4.30 बजे कृषि भवन आत्मा कार्यालय से सर्किट हाउस के लिए प्रस्थान करेंगे। इसी प्रकार 12 सितम्बर वे प्रातः 10.50 बजे सर्किट हाउस डूंगरपुर से सलूम्बर के लिए प्रस्थान करेंगे। राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष के दौरे के मद्देनजर संयुक्त निदेशक कृषि विभाग डूंगरपुर को अध्यक्ष के आगमन से प्रस्थान तक प्रोटोकॉल एवं लाईजनिंग अधिकारी कार्य सम्पादित करने के निर्देश दिए हैं।

जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में हुए रोचक मुकाबले, बालिका वर्ग में सीपीएस व वासनी माफी पहुंची फाइनल में

संजीवनी टुडे

बड़गांव। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोडान कला (बड़गांव) में चल रही 14 वर्ष छात्र-छात्रा व 17 वर्ष छात्र वर्ग की 68वीं जिला स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता के तीसरे दिन सभी आयु वर्ग के मुकाबले अलग अलग कोर्ट पर खेले गए । प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक एवं नेशनल रेफरी मोहनलाल शर्मा ने बताया कि 14 वर्ष बालिका वर्ग में वासनी माफी व सीपीएस उदयपुर अपने-अपने सेमी फाइनल मुकाबले जीतकर वॉलीबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

महात्मा गांधी वासनी माफी ने प्रथम सेमीफाइनल मुकाबले में महात्मा गांधी खेरोदा को एवं सीपीएस उदयपुर में दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में राउप्रावि गंदोली को हराया । सेमीफाइनल में हारी हुई टीमों के आज हुए हार्ड लाइन मैच में महात्मा गांधी खेरोदा ने राउप्रावि गंदोली को हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया चौथे स्थान पर गंडोली की टीम रही । इसी प्रकार 14 वर्ष बालक वर्ग में आज अपने-अपने प्री क्वार्टर मुकाबला जीत कर 8 टीमों ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया । बुधवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे जिसमें बाठरडा खुर्द का मुकाबला फतह अकेडमी से मेजबान , मेजबान मदार का मुकाबला उदय शिक्षा खेरोदा से , रुण्डेडा का मुकाबला मादला से, वेद प्रिया भटेवर का मुकाबला मेंनार से होगा। इसी प्रकार 17 वर्ष बालक वर्ग में भी आज अपने अपने प्री क्वार्टर मुकाबले जीतकर 8 टीमों ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया ।

बुधवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में राउमावि खरसान का मुकाबला राउमावि खेरोदा से, महात्मा गांधी खेरोदा का मुकाबला विद्या भवन रामगिरी से, राउमावि कविता का मुकाबला सीपीएस उदयपुर से एवं बाठरडा खुर्द का मुकाबला और रूंडेड़ा की टीम से होगा। आज प्रतियोगिता के तीसरे दिन मंगलवार दोपहर में मैच के दौरान ही बारिश आ जाने से कारण डेढ घंटे के लिए मैच बाधित रहे ,लेकिन उसके बाद बारिश रुकने पर आयोजन कमेटी ने खेल मैदान में लकड़ी का बूरादा डालकर गीलापन कम किया । बाद में धूप निकल आई।

स्कूली छात्राओं को निःशुल्क कंप्यूटर कोर्स की दी जानकारी

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। महिला अधिकारिता विभाग के निर्देशानुसार संकल्प-100 दिवसीय विशेष जागरुकता अभियान (मिशन शक्ति) के तहत महिला अधिकारिता विभाग के डीएचईडब्ल्यू के जेंडर स्पेशलिस्ट राकेश वैष्णव ने 13 वें सप्ताह की थीम ''यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सप्ताह'' के अन्तर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुंदरपुर ब्लॉक डूंगरपुर में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अन्तर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं को समय पर संतुलित आहार, उड़ान योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, शिक्षा सेतु योजना आदि के बारे में जानकारी दी। महिला सुपरवाइजर सुचिता कलाल ने वन स्टॉप सेन्टर (सखी केन्द्र), इंदिरा महिला शक्ति उद्यम प्रोत्साहन विभागी योजना, निःशुल्क कम्प्यूटर कोर्स आरएससीआईटी, आएससीएफए की जानकारी दी। महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र (महिला पुलिस थाना डूंगरपुर) की परामर्शदाता पूजा माखिजा ने बालिकाओं को नए कानूनों, लैंगिक उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, ऑनलाइन एफआइआर, गुड टच बेड टच, बाल विवाह रोकथाम, कन्या भुरण हत्या की रोकथाम, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, 112, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, 1090, 100 आदि के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में 187 बालिकाएं उपस्थित रही। प्रधानाचार्य गिरीराज प्रसाद यादव एवं विद्यालय स्टाफ ने बालिकाओं को जागरूक करने के लिए धन्यवाद प्रकट किया।

229 किलो 680 ग्राम अवैध अफीम डोडाचूरा जब्त

एस्कोर्टिंग करते 2 आरोपी गिरफ्तार, 1 कार तथा एक मोटरसाइकिल जब्त

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। पारसोली थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए करीब दस लाख रुपए मुल्य से अधिक का 229 किलो 680 ग्राम अवैध अफिम डोडाचूरा जब्त किया है। एस्कोर्टिंग करते दो आरोपी गिरफ्तार तथा एक कार एवं एक मोटरसाइकिल भी जब्त। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि दिनांक 09 सितंबर 2024 को आयोजित विडियो कॉन्फ्रेंस में अवैध मादक पदार्थो की तस्करी की रोकथाम को लेकर दिये गए निर्देशो के अनुसरण में भगवत सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक , रावतभाटा एवं अंजलि सिंह पुलिस उप अधीक्षक वृत बेगूं के निर्देशन में आज दिनांक 10 सितम्बर 2024 को रात्री में थानाधिकारी प्रेमसिंह मय जाप्ते की संयुक्त टीम द्वारा पारसोली थाना क्षेत्राधिकार में रात्री गश्त की जा रही थी। गश्त के दौरान हाईवे रोड से ग्राम चावण्डिया जाने वाले रास्ते पर दो व्यक्ति मुकेश कुमार पुत्र लखमा रेगर तथा ओमप्रकाश पुत्र हजारी लाल रेगर दोनों निवासी कनकपुरा पुलिस थाना पारसोली जिला चितौडगढ मोटर साईकिल सहित खडे नजर आये जिनसे रात्री के

समय इस प्रकार से संदिग्धावस्था में खडे होने का कारण पूछा गया तो चावण्डिया की तरफ से अफीम डोडाचूरा भरकर आने वाली गाडी की एस्कोर्टिंग के उद्देश्य से खडा होना बताया। इसी दौरान चावण्डिया गांव की तरफ से एक बिना नम्बरी स्कोर्पियो गाडी तेज गति से आई जिसको रुकवाने पर चालक कार से उतरकर रात्री का समय होने से फरार हो गया। स्कोर्पियो गाडी की तलाशी ली गई तो कार में अवैध अफीम डोडाचूरा के 11 कट्टे भरे हुए पाये गए। अवैध अफीम डोडाचूरा के सभी कट्टो का वजन किया गया तो कुल वजन 229.680 किलोग्राम हुआ। अज्ञात स्कोर्पियो कार चालक एवं एस्कोर्टिंग करने वाले मुकेश व ओमप्रकाश के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर स्कोर्पियो कार व मोटर साईकिल को जप्त किया गया है। प्रकरण का अनुसंधान जारी है पुलिस टीम : प्रेमसिंह उ.नि , कानि प्रितम, कानि मनोज कुमार, कानि जितेन्द्र, कानि शीशराम , कानि. सीताराम आदि रहे।

जिला कलक्टर ने ली साप्ताहिक बैठक दिये निर्देश

संजीवनी टुडे

कार्यो को गंभीरता से लेते हुए प्रगति लाएंः जिला कलेक्टर संधू

सलूंबर। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आयोजित साप्ताहिक बैठक में विभाग कार्यों में कम प्रगति पर नारजगी व्यक्त की और अधिकारियों से कहा कि हर सप्ताह बैठक में समीक्षा करने पर भी कम प्रगति है काम पर ध्यान दे और कार्यो को गंभीरता से लेते हुए प्रगति लाएं। यह निर्देश मगंलवार को जिला कलेक्टर कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे कार्य में तेजी लाते हुए शत- प्रतिशत कार्य को पूर्ण करे। बैठक में सम्पर्क व जनसुनवाई में दर्ज प्रकरणों,स्किल सेल एनिमिया संबंधी,जर्जर और मरम्मत योग्य भवनों का चिन्हीकरण, बजट घोषणा,मरम्मत, नवीन भवन के प्रस्ताव तैयार करना आगनवाडी व स्कूल बिना बिजली संबंधी,आबादी क्षेत्रों और स्कूल के पास विद्युत संबंधित हाई रिस्क पॉइंट्स का चिन्हीकरण एवम् निस्तारण पेन्शन व पालनहार संबंधी, राजकीय विद्यालयों एवम् हॉस्टल के पास भूमि आवंटन संबंधी दस्तावेज की उपलब्धता, बकाया भूमि आवंटन , अतिक्रमण संबंधी समस्या का निवारण व ?गिरदावरी, बरसात से क्षतिग्रस्त सड़क, रपट, पुलिया, राजकीय भवन की सूची तैयार करना और संबंधी कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिये।

बैठक में जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने जनसुनवाई व सम्पर्क पोर्टल पर विभागवार लम्बित प्रकरणों पर चर्चा करते हुए प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिये और मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिये एंटी लार्वा गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग गंभीरतापूर्वक उक्त कार्यवाही सुनिश्चित करे। बजट घोषणाओं की क्रियान्विति के तहत अब तक हुई कार्यवाही की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारी जल्द से जल्द इन कार्यों को पूर्ण करें। इस दौरान अतरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश पाटीदार, डीओआईटी जीवन राम मीणा, सीएमएचओ डॉ जेपी बुनकर, जिला समाज कल्याण अधिकारी हेमन्त खटीक, डीटीओ सुरेंद्र गुलिया, एलडीएम प्रवीण, जिला शिक्षा अधिकारी पियूष जैन सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

तीन क्विंटल से अधिक अवैध अफिम डोडा चूरा सहित स्कार्पीयो गाड़ी जब्त

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। बेगू थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए 343.630 किलोग्राम अवैध अफिम डोडा चूरा सहित एक स्कार्पीयो गाड़ी को जब्त किया है । जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ कर तस्करों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने हेतु समस्त थानाधिकारियों को विशेष दिशा-निर्देश दिये गये है इसी क्रम में थानाधिकारी बेगू को सूचना मिली कि बेगू थाना क्षेत्र में सरहद मेघनिवास गाव के जंगल के कच्चे रास्ते पर लावारिस हालत में एक स्कार्पीयो गाड़ी पड़ी है, जिसमें अवैध डोडाचुरा भरा हुआ है जिस पर थानाधिकारी रविन्द्रसिह पु.नि. मय जाप्ते सहित सरहद मेघनिवास गाव के जंगल के कच्चे रास्ते पर पहुंचे जहां पर मुताबिक सूचना के एक लावारिस स्कार्पीयो पड़ी हुई मिली , पुलिस ने नियमानुसार स्कार्पीयो गाड़ी की तलाशी ली तो गाड़ी में 17 कट्टों में भरा हुआ 343.630 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा मिला स्कार्पीयो गाड़ी के आस पास पुलिस ने कार के चालक की तलाश की, किंतु कोई जानकारी नहीं मिल पायी , पुलिस ने नियमानुसार स्कार्पीयो गाड़ी व अवैध डोडाचूरा को जब्त कर लिया है, पुलिस थाना बेगू पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर अग्रीम अनुसंधान जारी है। पुलिस टीमः रविनद्रसिह पु.नि. ,भगवान लाल हैडकानि , कमलेश कानि ,मनोहर कानि , हरिओम कानि आदि रहे।

विधानसभा उप चुनाव: आदर्श अचार संहिता होगी पूरे जिले में लागू, पूरी सतर्कता और समन्वय से करें काम- उप जिला निर्वाचन अधिकारी

एकीकृत नियंत्रण कक्ष के कार्मिकों का प्रशिक्षण संपन्न

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। जिला निर्वाचन विभाग स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त माहौल में चौरासी विधानसभा क्षेत्र में प्रस्तावित उप चुनाव-2024 की तैयारियों में जुट गया है। भारत निर्वाचन आयोग और निर्वाचन विभाग राजस्थान के निर्देशानुसार जिले में उपचुनाव की घोषणा के साथ ही एक एकीकृत जिला चुनाव नियंत्रण कक्ष, मीडिया प्रमाणन और निगरानी समिति (एमसीएमसी) और मीडिया केंद्र क्रियाशील हो जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित कुमार सिंह के निर्देशानुसार जिले में विधानसभा उप चुनाव-2024 के दौरान पेड न्यूज पर कड़ी निगरानी रखने, राजनीतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित करने, आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर कार्रवाई करने और सुचारू चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रकोष्ठों का गठन किया जा चुका है। एकीकृत नियंत्रण कक्ष के कार्मिकों का मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश चंद धाकड़ ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी वास्तविक समय की जानकारी

जनता, सभी हितधारकों तक पहुंचाना महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। चुनाव से जुड़ी सभी जानकारियां जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचें। एकीकृत चुनाव नियंत्रण कक्ष चुनावी प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं का प्रबंधन करने और जिले के मतदाताओं को प्रासंगिक जानकारी प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे, सातों दिन काम करेगा। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के निर्देशानुसार, जिले में एकीकृत चुनाव नियंत्रण कक्ष, मीडिया प्रमाणन और निगरानी समिति (एमसीएमसी) और मीडिया सेल की स्थापना की जाएगी। सभी चुनाव प्रक्रिया में प्रभावी ढंग से समन्वय के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि सभी मीडिया सामग्री में ईसीआई के दिशा-निर्देशों का अनुपालन हो और पेड न्यूज पर नजर रखी जाए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी धाकड़ ने कहा कि उपचुनाव की आदर्श आचार संहिता पूरे जिले में प्रभावी होगी। अपने पिछले अनुभवों को ध्यान में रखते हुए सभी कार्मिक पूर्ण मनोयोग और टीम भावना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। एकीकृत नियंत्रण कक्ष के प्रभारी मोतीलाल मीणा ने बताया कि एकीकृत नियंत्रण कक्ष में 50 से अधिक कार्मिकों की सेवाएं अधिग्रहित की गई है। सहायक प्रभारी अधिकारी प्रशिक्षण प्रकोष्ठ वैभव पाठक, डीएलएमटी दुष्यंत पण्ड्या और फूलशंकर त्रिवेदी ने मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनीटरिंग कमेटी की भूमिका एवं कार्यों, विज्ञापनों के अधिप्रमाणन की प्रक्रिया, पेड न्यूज का विश्लेषण एवं निर्णय, पेड न्यूज की जांच, सोशल मीडिया पर निगरानी, जिला स्तरीय सामान्य नियंत्रण कक्ष, जिला स्तरीय शिकायत निवारण कक्ष, 1950, सी-विजिल आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान जिला युवा अधिकारी प्रदीप मीणा ने कंट्रोल रूम के महत्व और सूचनाओं के आदान-प्रदान के दौरान बरती जाने वाली सतर्कता के बारे में जानकारी दी। पीआरओ विपुल शर्मा ने मीडिया के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग और उच्चतम न्यायालय के महत्वपूर्ण आदेश और गाइडलाइन की जानकारी दी।

झील संरक्षण समिति, रोजगार उत्सव एवं स्वच्छता संबंधित बैठक आयोजित

अवैध निर्माण के प्रकरणों में नोटिस चस्पा कर तामिल करवाएंः जिला कलक्टर

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने गेप सागर झील क्षेत्र में बिना स्वीकृति हो रहें अवैध निर्माणों के प्रकरणों में नोटिस चस्पा कर तामिल करवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह निर्देश झील संरक्षण समिति की बैठक में नगर परिषद अधिकारियों से झील क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के मामले में की गई कार्यवाही की जानकारी लेते हुए दिए। बैठक में जिला कलक्टर सिंह ने गैप सागर, एडवर्ड संमद, सोम कमला आंबा तथा लोडेश्वर बांध के संबंध में जानकारी लेते हुए अधिसूचित करवाने, आवक मार्ग की सर्वे करवाने, एमडब्लूएम एवं एफटीएम, कैचमेंट एरिया, विकास के लिए डीपीआर बनाने के संबंध में चर्चा कर उपखंड अधिकारी, नगर परिषद, नगर पालिका अधिकारी एवं पीडब्ल्यूडी अधिकारी की कमेटी बनाने तथा अधिसूचित के लिए नियमानुसार सर्वे करवाने के निर्देश दिए। बैठक में स्वच्छता पखवाड़ा एवं हेल्थ चेक अप कार्यक्रम के संबंध में जानकारी लेते हुए स्थान एवं दिनांक वार कार्यक्रम निर्धारित कर चिकित्सा विभाग एवं शिक्षा विभाग को उपलब्ध करवाने के लिए नगर परिषद आयुक्त को निर्देशित किया। उन्होंने हेल्थ चेकअप के लिए

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के साथ समन्वय करते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में आगामी 17 नवंबर को आयोजित होने वाले रोजगार उत्सव के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, रोजगार विभाग, नगर परिषद, शिक्षा विभाग, रसद विभाग सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों को आयोजन स्थल पर अपने विभाग से संबंधित रजिस्ट्रेशन डेस्क लगाने, नगर परिषद को ऑडिटोरियम में व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, वेलकम किट, अल्पाहार आदि के बारे में चर्चा करते हुए समस्त व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर परिषद आयुक्त लोकेश पाटीदार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलंकार गुप्ता, सहायक निदेशक जिला शिक्षा माध्यमिक हर्षित चौबीसा, रसद अधिकारी विपिन जैन, जिला रोजगार अधिकारी मंजू माली सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

मनरेगा क्रियान्वयन पर प्रशिक्षण आयोजित

अच्छे कार्य से ग्रामीणों को होता है फायदाः एसीईओ अनिल पहाड़िया

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। महात्मा गांधी नरेगा योजनांतर्गत नरेगा क्रियान्वयन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण पंचायत प्रशिक्षण केंद्र डूंगरपुर में संयुक्त परियोजना समन्वयक अनिल पहाड़िया, एवं अधिशाषी अभियंता नरेश मेघवाल की उपस्थिति में आयोजित हुआ। प्रशिक्षण में एसीईओ अनिल पहाड़िया ने योजना के क्रियान्वयन पर बिंदुवार चर्चा करते हुए कार्यों के क्रियान्वयन पर बात की उन्होंने अच्छे कार्यो के संकलन और प्रकाशित करने से होने वाले फायदों के बारे में बताया। प्रशिक्षण में अधिशाषी अभियंता नरेश मेघवाल योजना के प्रमुख प्रावधानों के बारे में बताया समन्वयक आईईसी महेश जोशी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और मनरेगा योजना एवं सफलता की कहानी संकलन और डाटा संकलन को पीपीटी के माध्यम से विस्तार से बताया। प्रशिक्षण में एमआईएस भूपेंद्र

सिंह ने मस्टरोल मॉनिटरिंग एवं जियो टैग सिस्टम के बारे में विस्तार से बताया। अनिल पंड्या ने कार्य स्वीकृत होने में होने वाली प्रक्रिया के बारे में बताते हुए कन्वर्जेंस पर विस्तार से बताया।

सहायक अभियंता मूलाराम सोलंकी ने कार्य स्थल और रिकार्ड संधारण को लेकर आवश्यक कार्यवाही बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन अनिल पंड्या ने किया। इस अवसर पर सहायक अभियंता मूलाराम सोलंकी, बालकृष्ण कोटेड, गंगाराम डामोर, पूनमचंद मेघवाल, राकेश परमार, सहायक विकास अधिकारी अजय जोशी, विशाल टेलर, गौरीशंकर कटारा, हेमंत भावसार, रतनसिंह राठौड़, गजेंद्र भावसार, महेश यादव, हितेश जोहियाला, विरसिह गुदा, कुणाल शर्मा, कौशिक, प्रिंस चौबीसा, कनिष्ठ तकनीकी सहायक, ग्राम विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

आत्महत्याओं पर लगे लगाम

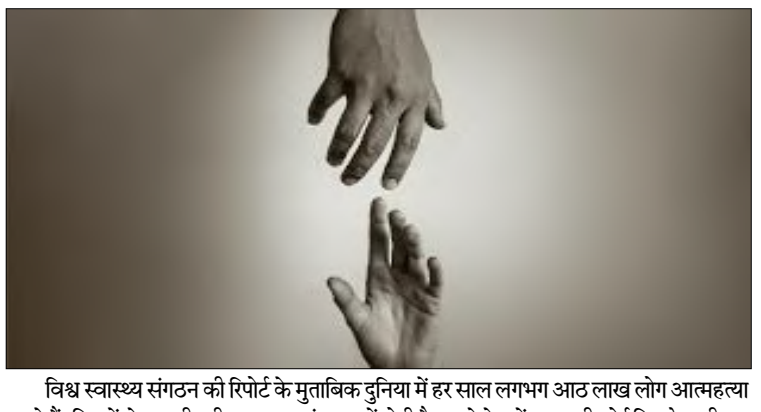

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में हर साल लगभग आठ लाख लोग आत्महत्या करते हैं। जिनमें से 21 फीसदी आत्महत्याएं भारत में होती है। हमारे देश में शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता होगा जब किसी न किसी इलाके से गरीबी, भुखमरी, कुपोषण, बेरोजगारी, कर्ज जैसी तमाम आर्थिक तथा अन्य सामाजिक दुश्वारियों से परेशान लोगों के आत्महत्या करने की खबरें न आती हों। देश में हर चार मिनट में एक आत्महत्या की जाती है। 2018 में पारित हुए मेंटल हेल्थ केयर एक्ट 2017 के तहत भारत में आत्महत्या के अपराधीकरण का कानून खत्म करते हुए मानसिक बीमरियों से जूझ रहे लोगों को मुफ्त मदद का प्रावधान किया गया है। इस नए कानून के तहत आत्महत्या का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के मदद पहुंचाना, इलाज करवाना और पुनर्वास देना सरकार की जिम्मेदारी होगी। भारत के साथ-साथ पूरे विश्व में मानसिक स्वास्थ से जूझ रहे लोगों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि इस मामले में अभी तक विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से कोई ठोस बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन विश्व के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे आत्महत्याओं के बढ़ते मामलों पर तुरंत संज्ञान लेने की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट खुलासा करती है कि विकसित देशों की तुलना में विकासशील देशों के लोग अधिक आत्महत्या कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि विकसित देशों में महिलाओं के मुकाबले पुरुषों में आत्महत्या की दर अधिक है। परन्तु विकासशील देशों में महिलाओं की आत्महत्या की दर अधिक पाई गई है। विश्व स्वास्थय संगठन के आंकड़े यह भी खुलासा करते हैं कि आत्महत्या के मामले में भारत की स्थिति भी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के तुलनात्मक आंकड़े बताते हैं कि भारत में आत्महत्या की दर विश्व आत्महत्या दर के मुकाबले बढ़ी है। भारत में पिछले दो दशकों की आत्महत्या दर में एक लाख लोगों पर 2.5 फीसद की वृद्धि हुई है। आज भारत में 37.8 फीसद आत्महत्या करने वाले लोग 30 वर्ष से भी कम उम्र के हैं। दूसरी ओर 44 वर्ष तक के लोगों में आत्महत्या की दर 71 फीसद तक बढ़ी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार भारत में 2019 में आत्महत्या करने से रोजाना 381 मौतें हुईं व पूरे साल में कुल 1 लाख 39 हजार 123 लोग मरे। 2018 में 1 लाख 34 हजार 516 और 2017 एक लाख 29 हजार 887 लोगों ने आत्म हत्या की थी। 2018 की तुलना में 2019 के दौरान देश में आत्महत्याओं में 3 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। पिछले वर्ष देश में फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाले 53.6 प्रतिशत लोग थे। वहीं जहर खाकर 25 प्रतिशत, पानी में डूब कर 5.2 प्रतिशत लागो ने आत्महत्या की थी। आत्महत्या करने वालों में 70.2 प्रतिषत पुरुष और 29 प्रतिषत महिलाएं थी। देश में सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में 18 हजार 916 लोगों द्वारा आत्महत्याओं की गयी थी। इसके बाद तमिलनाडु में 13,493, पश्चिम बंगाल में 12,665, मध्य प्रदेश में 12,457 और कर्नाटक में 11,288 लोगों ने आत्महत्या की थी। देश में दर्ज कुल आत्महत्याओं का 49.5 प्रतिशत हिस्सा इन पांच राज्यों में था। शेष 50.5 प्रतिशत आत्महत्याओं की रिपोर्ट देश के अन्य सभी प्रदेशों की थी।

देश के कई हिस्सों में गरीब किसानों के द्वारा की जाने वाली खुदकुशी की घटनाएं भी किसी से छिपी नहीं हैं। महाराष्ट्र का विदर्भ क्षेत्र तो इसके लिए कुख्यात है। देश के अन्य हिस्सों में कर्ज में डूबे गरीब व निर्धन किसान भी आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं। असलियत तो यह है कि देश में किसी भी व्यक्ति द्वारा की गई आत्महत्या इस सामाजिक व्यवस्था पर एक करारा तमाचा है। देश के किसानों में आत्महत्या की प्रवृत्ति रुकने का नाम ही नहीं ले रही है। बीते वर्ष खुदकुशी के कारण देश ने 3 हजार किसानों को खोया था। पिछले 20 सालों में हजारों किसानों ने अपना जीवन त्याग दिया। किसान जो अन्नदाता हैं। अपनी मेहनत से देश की 130 करोड़ जनसंख्या के पेट की आग बुझाता हैं। वही आज अपने पेट की आग नहीं बुझा पा रहे हैं। प्राकृतिक प्रकोप और ऊपर से सरकारी उदासीनता के कारण अन्नदाता दाने-दाने को मोहताज नजर आ रहे हैं। ऐसे में जब हालात बद से बदतर हो जाते हैं तब वे मजबूरन आत्महत्या करने को मजबूर हो जाते हैं। भारत में अवसाद की बीमारी भी तेजी से पांव पसार रही है। आंकड़े बताते हैं कि विगत दशकों में बदलते परिवेश, आधुनिक जीवन-शैली, तात्कालिक विफलता और बढ़ती बेरोजगारी के कारण ग्रामीण भारत के युवाओं में अवसाद के कारण आत्महत्या करने की प्रवृति बढ़ी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार 2019 में कुल 1,39,123 लोगों ने आत्महत्या की थी। जिसमें बेरोजगारों की संख्या 14,019 थी। जो 2018 की तुलना में 8.37 प्रतिशत अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार देश में करीब 23 लाख लोगों को तात्कालिक तौर पर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी देखभाल की जरूरत है। जबकि देश में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल है। देश में 130 करोड़ आबादी के लिए मात्र 5 हजार मानसिक रोग चिकित्सक हैं। बिगड़ते मानसिक स्वास्थ्य को एक वैश्विक चुनौती करार देते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया के हर देश को मेंटल हेल्थ पर गंभीर कदम उठाने की सलाह दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन के मुताबिक व्यक्ति को समय रहते भावनात्मक संबल मिल जाना ही आत्महत्या से बचाव का सबसे कारगर उपाय है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृष

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुम्भ

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

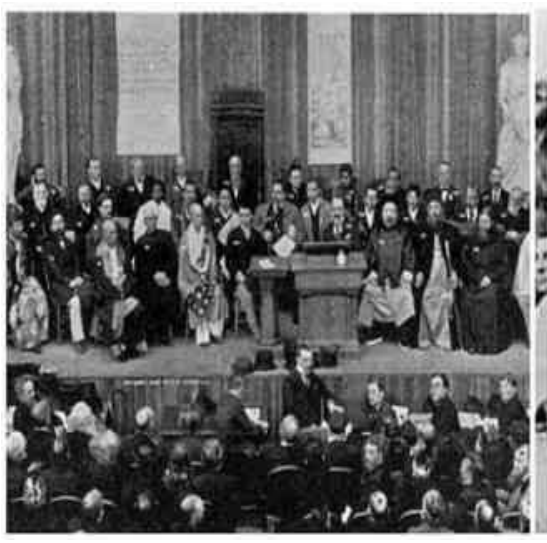

स्वामी विवेकानंद का शिकागो संदेश

127 साल पूर्व, दिन 11 सितंबर 1893 शिकागो शहर का 'पार्लियामेंट ऑफ़ रिलीजन' सभागार। नीचे एक बड़ा हॉल और एक बहुत बड़ी गैलरी, दोनों में छह ऽ सात हजार संसार भर के विभिन्न देशों के प्रतिनिधि तथा शहर के बहुसंख्यक प्रतिष्ठित व्यक्ति। मंच पर संसार की सभी जातियों के बड़े ऽ बड़े विद्वान। डॉ. बरोज के आह्वान पर 30 वर्ष के तेजस्वी युवा का मंच पर पहुंचना। भाषण के प्रथम चार शब्द 'अमेरिकावासी भाइयों तथा बहनों' इन शब्दों को सुनते ही जैसे सभा में उत्साह का तूफान आ गया और 2 मिनट तक 7 हजार लोग उनके लिए खड़े होकर तालियाँ बजाते रहे। पूरा सभागार करतल ध्वनि से गुंजायमान हो गया। संवाद का ये जादू शब्दों के पीछे छिपी चिर ऽपुरातन भारतीय संस्कृति, सभ्यता, अध्यातम व उस युवा के त्यागमय जीवन का था। जो शिकागो से निकला व पूरे विश्व में छा गया। लगभग तीन मिनट का वो भाषण आज भी उतना ही प्रासंगिक है,जितना उस समय था। उस भाषण का एक ऽएक शब्द अपने आप में एक परंपरा, एक जीवन व हजारों वर्षों की संत संतति से चले आ रहे संदेश का परिचायक है उस भाषण को आज भी दुनिया भुला नहीं पाती। इस भाषण से दुनिया के तमाम पंथ आज भी सबक ले सकते हैं। इस अकेली घटना ने पश्चिम में भारत की एक ऐसी छवि बना दी, जो आजादी से पहले और इसके बाद सैकड़ों राजदूत मिलकर भी नहीं बना सके। स्वामी विवेकाननंद के इस भाषण के बाद भारत को एक अनोखी संस्कृति के देश के रूप में देखा जाने लगा। अमेरिकी प्रेस ने विवेकानंद को उस धर्म संसद की महानतम विभूति बताया था। और स्वामी विवेकानंद के बारे में लिखा था, उन्हें सुनने के बाद हमें महसूस हो रहा है कि भारत जैसे एक प्रबुद्ध राष्ट्र में मिशनरियों को भेजकर हम कितनी बड़ी मूर्खता कर रहे थे। यह ऐसे समय हुआ, जब ब्रिटिश शासकों और ईसाई मिशनरियों का एक वर्ग भारत की अवमानना और पाश्चात्य संस्कृति की श्रेष्ठता साबित करने में लगा हुआ था।

सर्वधर्म सम्मेलन में अंत में दस का घंटा बजा। ईसाई पादरी अनुभव करने लगे कि जगत में ईसाई पंथ सर्वश्रेष्ठ है। इस तथ्य को दुनिया के सामने प्रकट करने का समय आ पहुंचा और वास्तव में इसी भावना से अमेरिका के बड़े धार्मिक नेताओं ने इस महासम्मेलन का आयोजन किया था। परंतु किसी को खबर न थी कि यह घंटा तो सनातन हिन्दू-धर्म की विजय का बज रहा है। शिकागो व्याख्यान में स्वामी विवेकानंद ने अपने भाषण में उसको प्रस्तुत किया व स्थापित भी किया। विश्व धर्म सभा में जब सभी पंथ स्वयं को ही श्रेष्ठ सिद्ध करने का प्रयास कर रहे थे, तब स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि भारत का विचार सभी सत्यों को स्वीकार करता है। स्वामीजी ने कहा- मुझे यह कहते हुए गर्व है कि जिस धर्म का मैं अनुयायी हूँ उसने जगत को उदारता और प्राणी मात्र को अपना समझने की भावना दिखलाई है। इतना ही नहीं हम सब पंथों को सच्चा मानते हैं और हमारे पूर्वजों ने प्राचीन काल में भी प्रत्येक अन्याय पीड़ित को आश्रय दिया है। इसके बाद उन्होंने हिंदू धर्म की जो सारगर्भित विवेचना की, वह कल्पनातीत थी। उन्होंने यह कहकर सभी श्रोताओं के अंतर्मन को छू लिया कि हिंदू तमाम पंथों को सर्वशक्तिमान की खोज के प्रयास के रूप में देखते हैं। वे जन्म या साहचर्य की दशा से निर्धारित होते हैं, प्रत्येक प्रगति के एक चरण को चिह्नित करते हैं। स्वामीजी द्वारा दिए गए अपने संक्षिप्त भाषण में हिंदू धर्म में निहित विश्वव्यापी एकता के तत्त्व और उसकी विशालता के परिचय ने पश्चिम के लोगों के मनों में सदियों से भारत के प्रति एक नकारात्मक दृष्टि को बदल कर रख दिया। उनके उस छोटे से भाषण ने ही संसद की आत्मा को हिला दिया। चारों तरफ विवेकानंद की प्रशंसा होने लगी। अमेरिकी अख़बारों ने विवेकानंद को ‖धर्म संसद‖ की सबसे बड़ी हस्ती के रूप में सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली व्यक्ति बताया। उन्होंने संसद में कई बार हिन्दू धर्म और बौध मत पर व्याख्यान दिया। 27 सितम्बर 1893 को संसद समाप्त हो गई। इसके बाद वे दो वर्षों तक पूर्वी और मध्य अमेरिका, बोस्टन, शिकागो, न्यूयार्क, आदि जगहों पर उपदेश देते रहे। 1895 और 1896 में उन्होंने अमेरिका और इंग्लैंड में अनेक स्थानों पर भी उपदेश दिए। स्वामी विवेकानंद ने उस समय में तीन भविष्यवाणियां की थीं। जिसमें से दो सत्य सिद्ध हो चुकी है और तीसरी सत्य होते हुए दिखाई देने लगी है। इसमें से पहली तथा सर्वाधिक महत्वपूर्ण थी भारत की स्वाधीनता के विषय में। 1890 के दशक में उन्होंने कहा था, 'भारत अकल्पनीय परिस्थितियों के बीच अगले 50 वर्षों में ही स्वाधीन हो जायेगा' ठीक वैसा ही हुआ। दूसरी भविष्यवाणी थी कि रुस में पहली बार श्रमिक क्रांति होगी, जिसके होने या हो सकने के बारे में किसी को कल्पना तक न थी। ये कथन भी सत्य सिद्ध हुआ। उनकी तीसरी भविष्यवाणी थी, जिसका सत्य सिद्ध होना अभी बाकि है। लेकिन ऐसा होते हुए अब दिख रहा है। वो है भारत एक बार फिर समृद्ध व शक्ति की महान उंचाईयों तक उठेगा और अपने समस्त प्राचीन गौरव को प्राप्त कर आगे बढ़ेगा। आज भारत उस पथ पर अग्रसर होता हुआ दिख भी रहा है और पूरी दुनिया स्वावलंबी, संस्कारित, संगठित तथा समृद्धशाली भारत के इस वर्चस्व को देख भी रही है व मान भी रही है। संक्षेप में स्वामी विवेकानंद ने सांस्कृतिक राष्ट्रीयता का परिचय भारत को करवाया। उन्होंने हिंदुत्व को भारत की राष्ट्रीय पहचान के रुप में प्रतिष्ठित किया। 'हिंदू-राष्ट्र' इस शब्दावली का प्रथम प्रयोग भी संभवतः विवेकानंद ने ही किया था। शिकागो में 11 सितंबर 1893 को दिए अपने प्रथम भाषण में 'टद्वपध्धद्वपद्द ध्ध डद्वद्दयदधद्व' में उन्होंने अपने हिंदू होने पर गर्व का विस्तार से वर्णन किया है। दिनांक 17 सितंबर 1893 को उनके द्वारा प्रस्तुत 'ध्थध्द्ध-धद्व क्ष्द्धद्वदफ्द्धपद्व' हिंदुत्व की राष्ट्रीय परिभाषा ही है। इस परिप्रेक्ष्य में समझने पर हमें हमारे विशाल देश की बाह्य विविधता में अंतर्निहित एकात्मता के दर्शन होते हैं। उन्होंने हिंदू समाज को जागृत किया तथा भारत को पुनः एक सबल, सशक्त, सुसंपन्न तथा वैभवशाली बनाने की प्रेरणा दी। दुनिया में लाखों-करोड़ों लोग उनसे प्रभावित हुए और आज भी उनसे प्रेरणा प्राप्त कर रहे हैं। सी राजगोपालाचारी के अनुसार ‖स्वामी विवेकानंद ने हिन्दू धर्म और भारत की रक्षा की‖ सुभाष चन्द्र बोस के कहा ‖विवेकानंद आधुनिक भारत के निर्माता हैं‖। महात्मा गाँधी मानते थे कि विवेकानंद ने उनके देशप्रेम को हजार गुना कर दिया ।स्वामी विवेकानंद ने खुद को एक भारत के लिए कीमती और चमकता हीरा साबित किया है। उनके योगदान के लिए उन्हें युगों और पीढ़ियों तक याद किया जायेगा।

कुल मिलाकर यदि यह कहा जाये कि स्वामी जी आधुनिक भारत के निर्माता थे, तो उसमें भी अतिशयोक्ति नहीं हो सकती। यह इसलिए कि स्वामी जी ने भारतीय स्वतंत्रता हेतु जो माहौल निर्माण किया उस पर अमिट छाप पड़ी। आज के समय में स्वामी जी के मानवतावाद के रास्ते पर चलकर ही भारत एवं विश्व का कल्याण हो सकता है। वे बराबर युवाओं से कहा करते थे कि हमें ऐसे युवकों और युवतियों की जरूरत है जिनके अंदर ब्राह्मणों का तेज तथा क्षत्रियों का वीर्य हो। युवा मित्रों ! आज विवेकानंद को जानने व 11 सितंबर 1893 शिकागो में उनके द्वारा दिए गए भाषण को पढ़ने के साथ ही उसे गुनने की भी जरूरत है।

विचार बिन्दु

डॉ. पवन सिंह मलिक

कुल मिलाकर यदि यह कहा जाये कि स्वामी जी आधुनिक भारत के निर्माता थे, तो उसमें भी अतिशयोक्ति नहीं हो सकती। यह इसलिए कि स्वामी जी ने भारतीय स्वतंत्रता हेतु जो माहौल निर्माण किया उस पर अमिट छाप पड़ी। आज के समय में स्वामी जी के मानवतावाद के रास्ते पर चलकर ही भारत एवं विश्व का कल्याण हो सकता है। वे बराबर युवाओं से कहा करते थे कि हमें ऐसे युवकों और युवतियों की जरूरत है जिनके अंदर ब्राह्मणों का तेज तथा क्षत्रियों का वीर्य हो। युवा मित्रों !

शिव चालीसा का पाठ करने से दूर होती हैं जीवन की सभी परेशानियां

शिव चालीसा का पाठ करने से डर या भर से भी छुटकारा मिलता है। इसके लिए जय गणेश गिरीजा सुवन'' मंगल मूल सुजान, कहते अयोध्या दास तुम'' देउ अभय वरदान वाली लाइन पढ़ें। इस पंक्ति को शाम के समय नहीं बल्कि सुबह पढ़ें। इस प्रकार 40 दिन तक लगातार पढ़ें आपको लाभ मिलेगा। हिन्दू धर्म में शिव चालीसा का खास महत्व है। शिव जी को प्रसन्न करने का यह सबसे सरल उपाय है, तो आइए हम आपको शिव चालीसा की महिमा के बारे में बताते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर के ज्योतिषविद् एवं कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि हिन्दू धर्म में भक्त सरल भाषा में जो भगवान की प्रार्थना करता है उसे चालीसा कहते हैं। शिव चालीसा का चालीसा कहने के पीछे एक कारण यह भी है कि इसमें चालीस पंक्तियां हैं। इस प्रकार लोकप्रिय शिव चालीसा का पाठ कर भक्त बहुत आसानी से अपने भगवान को प्रसन्न कर लेते हैं। शिव चालीसा के द्वारा आप अपने सभी दुख भूलकर शंकर भगवान की कृपा प्राप्त कर सकते हैं। इस तरह भक्त शिव जी को प्रसन्न कर अपनी मनोकामना पूरी कर लेते हैं।

शिव चालीसा का पाठ करने से डर या भर से भी छुटकारा मिलता है। इसके लिए जय गणेश गिरीजा सुवन' मंगल मूल सुजान, कहते अयोध्या दास तुम' देउ अभय वरदान वाली लाइन पढ़ें। इस पंक्ति को शाम के समय नहीं बल्कि सुबह पढ़ें। इस प्रकार 40 दिन तक लगातार पढ़ें आपको लाभ मिलेगा। विश्वविख्यात भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि अगर आप बहुत से परेशान और दुखी हैं तो निराश न हों। शिव चलीसा की इस एक पंक्ति का जाप करें, देवन जबहिं जाय पुकारा' तबहिं दुख प्रभु आप निवारा। ध्यान दें इस पंक्ति को रात में 11 बार पढ़ें और काम पूरा होने के बाद गरीबों के बीच मिठाई जरूर बांटें।

अगर आप किसी इच्छित कार्य के लिए प्रयासरत हैं तो शिव चालीसा की यह लाइन पढ़ें पूजन रामचंद्र जब कीन्हा' जीत के लंक विभीषण दीन्हा। इस पंक्ति को सायंकाल में 13 बार पढ़े और ऐसा लगातार 27 दिन तक करते रहें। प्रातः जल्दी उठकर स्नान कर साफ कपड़े पहनें। उसके बाद शिव चालीसा पढ़ने के लिए पवित्र मन से ईश्वर का ध्यान करें। चालीसा ब्रह्म मुहूर्त में एक सफ़ेद आसन पर बैठे। उसके बाद उत्तर पूर्व या पूर्व दिशा की तरफ मुंह कर लें। ईश्वर की मूर्ति के सामने गाय के घी का दीपक जलाएं और 11 बार पाठ करें। पाठ करते समय शिवलिंग पर जल का पात्र रखे और प्रसाद रूप में मिश्री का भोग लगाएं। पूजा में चावल, कलावा, सफ़ेद चंदन, धूप-दीप, पीले फूलों की माला और सफ़ेद आक के 11 फूल भी रखें। साथ ही एक बेलपत्र भी उल्टा करके शिवलिंग पर अर्पित करें। पाठ शुरू करने से पहले लोटे का जल भी रखें। ध्यान रखें एक दिन में दो-तीन बार पाठ करें। यह पाठ लगातार 40 दिन तक करने से सभी प्रकार की मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। पाठ तेज आवाज में पढ़े ताकि भक्तों को भी सुनाई दे, इससे लाभ होगा। उसके बाद लोटे के जल को घर में चारों तरफ छिड़क दें और प्रसाद को बच्चों में बाटें। विश्वविख्यात भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि शिव जी को प्रसन्न करना बहुत आसान है इसलिए कुंवारी लड़कियां शिवजी जैसा वर पाने के लिए न केवल शिव चालीसा का पाठ करती हैं बल्कि सोमवार को व्रत भी रखती हैं। अच्छा वर पाने के लिए शिव चालीसा के इन लाइन का पाठ करें कठिन भक्ति देखी प्रभु शंकर' भई प्रसन्न दिए इच्छित वर। इस लाइन का सुबह 54 बार पाठ करें। ऐसा 21 दिन करने से लड़कियों को मनचाहा वर मिलता है।

मजदूर

हृदय रूपी गठरी में बहुत छोटे अरमान है मेरे
बहुत दूर निकला हूं मैं वजह कुछ सपने है मेरे।
अब किसको सुनाऊं हाल ए जिंदगी
उनसे ही दूर हूं जो बेहद अपने है मेरे।।

साहब !मजदूर हूं वक़्त से बड़ा मजबूर हूं मैं
हर बार उनकी यादों को सहेज कर रख लेता हूं
एक बार रूबरू होने के बाद अरसे बाद जो देखता हूं।
दूरियों का अहसास हर पल हर घड़ी मुझे सताता है
पर परिवार के लिए मैं ये दुःख हर बार सह जाता हूं।।

साहब !मजदूर हूं वक़्त से बड़ा मजबूर हूं मैं
वक़्त की आंधी मेरे ऊपर कुछ इस तरह से आई
सब कुछ भूलकर मुझे केवल अपनों की याद आई।
सोचा था मंजर ए विषाणु ज्यादा भयावह ना होगा
मेरे लौटने की छोड़ो खाने पीने तक की नोबत आई।।

साहब !मजदूर हूं वक़्त से बड़ा मजबूर हूं मैं
हर दुआ में खुदा से थोड़ा सा वक़्त चाहता हूं
बेबसी में ही सही पर अपनों से मुलाकात चाहता हूं।
मिले ना मिले कोई मुसाफिर ए मददगार राहों में
अब खुद ही गिरता उठता संभलता लौटना चाहता हूं।।
साहब !मजदूर हूं वक़्त से बड़ा मजबूर हूं मैं

कोरोना के इस भयावह काल में मजदूरों की कुछ तस्वीरों ने मेरे मन को बुरी तरह से व्यथित कर दिया।इस मुश्किल घड़ी में उनके दर्द को समझना निश्चित ही बेहद मुश्किल है पर उनकी मनोदशा का वर्णन करने की एक छोटी सी कोशिश की है।

\- आशीष कुमार प्रजापति

भारत में कुटुंब सबसे छोटी इकाई होकर भी अतुलनीय शक्ति वाली है

विचार बिन्दु

प्रहलाद सबनानी

सैकड़ों वर्षों तक अन्य मतावलंबियों के आक्रमण के कारण हमने अपनी धरती को खोया। सांस्कृतिक जीवन को प्रभावित कर उसे पूरी तरह नष्ट करने का प्रयास हुआ।

ब्रिटेन एवं अन्य विकसित देशों में शादियों के पवित्र बंधन टूटने की घटनाएं बहुत बड़ी मात्रा में हो रही हैं, तलाक की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए ब्रिटेन की भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती मार्ग्रेट थेचर ने एक बार कहा था कि क्यों न ब्रिटेन भी भारतीय विवाह मूल्यों को अपना ले क्योंकि भारतीय हिंदू समाज में तो तलाक की घटनाएं लगभग शून्य रहती हैं। भारत में तो शादी के पवित्र बंधन को इस जन्म में ही नहीं बल्कि आगे आने वाले सात जन्मों तक निभाने की कसमें खाई जाती हैं।

आज भारतीय संस्कृति पूरे विश्व में बहुत महान एवं प्राचीन मानी जा रही है। भारतीय संस्कृति के मूल में एकात्म का भाव छुपा है। हम सब में ईश्वर का वास है और भारत में सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को सीखने की परम्परा समाज की सबसे छोटी इकाई अर्थात परिवार एवं कुटुंब से प्रारम्भ होती है। प्राचीन भारत में तो कुटुंब प्रबोधन के सम्बंध में नियमों को गुरूकुल में सिखाया जाता था। वर्ष 1823 तक भारत में 750,000 गुरूकुल थे। परंतु दुर्भाग्य से विदेशी आक्राताओं द्वारा इन समस्त गुरुकुलों को नष्ट कर दिया गया और हमारी आने वाली पीढ़ियां महान भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने में सफल नहीं हो सकी। इस विश्व को, इस देश को, इस समाज को बचाने की शुरुआत तो अपने परिवार से ही करनी होगी। अच्छी आदतों को अपने घर से ही प्रारम्भ करना होगा। केवल उपदेश देने से काम चलने वाला नहीं हैं। आज के परिवारों में माता पिता को चाहे एक ही संतान हो, उसे भी अमेरिका अथवा अन्य किसी विकसित देश में पढ़ने एवं रोजगार के लिए भेज देते हैं और स्वयं वृद्ध आश्रम में रहते लगते हैं। इसलिए आज आश्यकता इस बात की है कि हम अपनी युवा पीढ़ी को हमारे देश के महापुरुषों की जानकारी दें, सनातन हिंदू संस्कृति एवं महान संस्कारों की जानकारी दें, हमारे समृद्ध इतिहास की जानकारी दें। तिलक लगाना, अपने से बड़ों का चरण स्पर्श करना, बुज़ुर्गों से आशीर्वाद लेना, आदि यह सब हमारे संस्कारों में हुआ करता है। प्राचीन भारत में परिवारों में यह प्रथा थी कि भोजन को ग्रहण करने के पहिले 5 कौर निकालते थे (एक कौर गाय माता के लिए, एक कौर कौवे के लिए, एक कौर श्वान के लिए, आदि) तब परमात्मा को भोग लगाया जाता था और फिर भोजन ग्रहण किया जाता था। लगभग प्रत्येक परिवार में यज्ञ किए जाने की प्रथा का पालन होता था। गांव में बेटी की शादी होने की स्थिति में गांव के समस्त परिवार मिलकर उस शादी की व्यवस्था करते थे। जैसे वह बेटी किसी विशेष परिवार की न होकर पूरे गांव की बेटी हो। साथ ही, इस शादी में होने वाले पूरे खर्च का सभी परिवार मिलकर वहन करते थे। मातृशक्ति का सम्मान तो भारतीय संस्कृति के मूल में है। माताओं को देवी के रूप माना जाता रहा है। हाल ही के समय में यह ध्यान में आता है कि अन्य देश भारतीय संस्कारों एवं परम्पराओं को अपनाते जा रहे हैं परंतु हमारी युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कारों की ओर आकर्षित होती जा रही है। भारत में भी कहीं कहीं परिवार टूट रहे हैं, भारतीय संस्कार कहीं पीछे छूट रहे हैं। भाई-भाई, पिता-पुत्र, पिता-बेटी, भाई-बहिन के बीच पारिवारिक सम्पत्ति को लेकर कोर्ट-कचहरी में केस हो रहे हैं। इसलिए आज समाज के हर वर्ग को आपस में जोड़ने की आवश्यकता है। सनातन हिंदू संस्कृति की मूल भावना ही आपस में जोड़ने की है। परिवार बचेगा तभी यह देश भी बचेगा। पश्चिमी संस्कारों में निजता हावी है। निजता का भाव किसी के साथ सामंजस्य स्थापित नहीं कर पता है। इसलिए वहां सामूहिक जीवन का अभाव दिखाई देता है। अतः इन देशों में शादी के कुछ समय पश्चात ही पति-पत्नि के बीच तलाक की परिणती दिखाई देती है। इसके ठीक विपरीत भारत में सामूहिक जीवन है। समाज में परिवार/गृहस्थ एक केंद्र बिंदु अथवा धुरी के रूप में उपस्थित रहता है। परिवार बढ़ने पर नए सदस्यों का सदैव स्वागत किया जाता है। परिवार में पशु पक्षियों को भी शामिल किया गया है। इसलिए। बिल्ली को मौसी, नदी को माता, धरती को माता, गौ को माता, अग्नि को सखा आदि की संज्ञा दी गई। ‖वसुधेव कुटुम्बकम‖ के सिद्धांत को माना गया है अर्थात पूरे विश्व को ही अपना परिवार माना जाता है। भारत में इसलिए परिवार नामक संस्था को बहुत महत्व दिया जाता है। हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह श्री दत्तात्रेय जी होसबाले ने श्री शंकराचार्य के एक श्लोक ‖स्वदेशो भूमत्व‖ का स्मरण करते हुए एक कार्यक्रम में कहा है कि राष्ट्र की सबसे छोटी इकाई कुटुंब बलवान व अतुलनीय शक्ति वाली है।

वायरल फीवर से राहत पाने के घरेलू उपचार

मौसम के बदलने के समय वायरल फीवर होता है। जब भी मौसम बदलता है तब तापमान के उतार-चढ़ाव के कारण शरीर का इम्यून सिस्टम थोड़ा कमजोर हो जाता है। इस फीवर से बचने और निजात पाने के लिए दवाईयों के अलावा कई घरेलू उपाय हैं, जिससे जल्द राहत मिल जाती है।

सूखे अदरक का मिश्रण

अदरक के अनगिनत स्वास्थ्य संबंधी गुण होते हैं। इसका एन्टी- इन्फ्लैमटोरी और एन्टी-ऑक्सिडेंट गुण बुखार के लक्षणों से राहत दिलाने में सहायता करते हैं। सूखा अदरक, एक छोटा चम्मच हल्दी और एक छोटा चम्मच काली मिर्च का पावडर और थोड़ा-सा चीनी एक कप पानी में डालकर तब तक उबालें जब तक कि सुखकर आधा न हो जाये। दिन में चार बार इस काढ़े को पीने से बुखार से राहत मिलता है।

तुलसी- तुलसी का एन्टी बायोटीक और एन्टी बैक्टिरीअल गुण वायरल फीवर के लक्षणों से राहत दिलाने में बहुत मदद करते हैं। बीस ताजा तुलसी के पत्तों को एक लीटर पानी में एक चम्मच लौंग पावडर डालकर तब तक उबालें जब तक कि वह सुख कर आधा न हो जाये। उसके बाद उसको छानकर हल्का ठंडा करके दो घंटा के अंतराल में पीयें।

मेथी का जल- मेथी में बहुत सारे औषधिय गुण होते हैं जो वायरल फीवर के कष्टों से राहत दिलाने में सहायता करते हैं। एक कप पानी में एक बड़ा चम्मच मेथी के दाने रात भर भिगोकर रखें। अगले दिन सुबह इसको छानकर निश्चित अंतराल में इसका सेवन करें। सुबह मेथी के दाने, नींबू का रस और शहद के मिश्रण का सेवन करने से भी कुछ हद तक बुखार से राहत मिलता है।

धनिया चाय- धनिया में फाइटोनूट्रीअन्ट और विटामिन होता है जो प्रतिरक्षी तंत्र को उन्नत करने में बहुत सहायता करता है। धनिया प्राकृतिक तरीके से वायरल फीवर से लड़ने में मदद करता है। एक गिलास पानी में एक बड़ा चम्मच धनिया के दाने डालें और उसको थोड़ा उबाल लें। उसके बाद कप में छानकर स्वाद के अनुसार थोड़ा-सा दूध और चीनी डालकर पीने से बुखार से राहत मिलता है।

सोआ का काढ़ा- यह शरीर के प्रतिरक्षी तंत्र को तो उन्नत करता ही है साथ ही बुखार को कम करने में भी सहायता करता है। फल्वेनॉयड और मोनोटर्पीन के गुण होने के कारण यह फीवर से राहत दिलाने में मदद कर पाता है। एक कप पानी में एक बड़ा चम्मच सोआ के दाने, एक छोटा चम्मच काली मिर्च और एक छोटा चम्मच कलौंजी डालकर दस मिनट तक उबालें। उबालने के बाद एक कप में छान लें और उसमें एक चुटकी दालचीनी का पावडर डालकर अच्छी तरह से मिला लें। काढ़ा को पीने से बुखार से राहत मिलेगी।

राइस स्टार्च- उपचार का यह तरीका बहुत पुराना है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थ को निकालने में बहुत मदद करता है। जिससे प्रतिरक्षी तंत्र को वायरस से लड़ने में शक्ति मिलती है। राइस स्टार्च पौष्टिकता से भरपूर होता है इसलिए इसके सेवन से रोगी को शक्ति मिलती है।

फिटनेस या वेट लॉस

सेहत और लुक्स दोनों को लेकर दुनिया में जागरूकता दिन ब दिन बढ़ रही है। ऐसे में वजन बढ़ने की समस्या को लेकर चिंतित होना लाजिमी है। वजन के चलते आप एक दिन भी अपनी मॉर्निंग वॉक या जिम क्लास को मिस नहीं करना चाहते। लेकिन क्या सिर्फ वजन घटाना काफी है? बढ़ते हुए वजन को कम करने में जुटा हर इंसान रोज एक बात जरूर सोचता है कि कैसे एक्सट्रा वजन कम किया जाए। हो सकता है आपने वजन कम कर लिया हो और स्लिम बॉडी भी हासिल कर ली हो, लेकिन क्या आप चुस्त-तंदुरुस्त भी हैं? वजन घटाने के साथ-साथ फिटनेस होना भी बेहद जरूरी है। सिर्फ स्लिम होने का मतलब फिट होना नहीं होता। फिटनेस का मतलब है पूरी तरह से अच्छी सेहत और ये सिर्फ अच्छे खानपान और वर्जिश से ही हासिल की जा सकती है। ये जानना बेहद जरूरी है कि फिटनेस का मतलब वजन घटाना होता है, लेकिन सिर्फ वजन घटाने का मतलब फिट होना नहीं होता। अब अस्वस्थ तरीके से भी वजन घटा सकते हैं। फिटनेस के लिये अच्छा खाना, अच्छा आराम, अच्छी एक्सरसाइज सबकुछ बेहद जरूरी है। वजन घटाने के चक्कर में अक्सर आपका पाचन तंत्र बिगड़ जाता है। डाइट में हुए परिवर्तन से बिगड़े पाचन तंत्र को एक्सरसाइज के जरिये ठीक किया जा सकता है। इसके लिये ठीक से सांस लेना, चलना और दूसरी शारीरिक गतिविधियों की मदद भी ली जा सकती है। फिटनेस आपकी स्किन को भी हेल्दी बनाती है। जबकि सिर्फ वजन घटाने से आपका श्वसन तंत्र प्रभावित हो सकता है। फिट रहने से आपका हृदय में स्मूद ब्लड और ऑक्सीजन सर्कुलेशन, स्वस्थ फेफड़े, कॉर्डियोवेस्कुलर सिस्टम भी सुधरता है। शारीरिक फिटनेस का मतलब सिर्फ शरीर की मजबूती नहीं बल्कि मानसिक मजबूती से भी है। सभी शारीरिक गतिविधियां आपको मानसिक तौर पर भी मजबूत बनाती है। वजन घटाने की जल्दी आपको मानसिक दबाव का शिकार बना सकती है। एक्सरसाइज करने से आपके मसल्स में सुधार होगा और आपकी पूरी पर्सनैलिटी निखरेगी। तो खुश रहने के लिये अब सिर्फ वजन मत घटाइये बल्कि फिटनेस पर ध्यान दीजिये।

बच्चों के खाने को इंट्रेस्टिंग बनाना है जरूरी

हेल्दी फूड का नाम सुनकर बच्चे अकसर मुंह बनाकर पीछे हट जाते हैं। उन्हें खाना खिलाना मां के लिए एक बड़ी चुनौती की तरह होता है। हेल्दी खाना वह खाते नहीं और जंक फूड उनकी सेहत के लिए ठीक नहीं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए खाने को एक इंट्रेस्टिंग स्टाइल में बच्चों के सामने पेश करें। कुछ खास बातों को जान लें और बच्चों को खिलाएं उनके हेल्थ के लिए जरूरी खाना।

संजीवनी टुडे

रंगों का रखें ख्याल

बच्चों को रंग बहुत पसंद होते हैं, खासतौर से ब्राइट शेड्स। इसलिए कोशिश करें कि उन्हें रंगों सेभरा खाना दें। यानी खानेमें वह फल-सब्जी दें जिनका रंग ब्राइट हो। जैसे ऑरेंज, टमाटर, कैपसिकम, गाजर आदि। इस तरह के रंगों की सब्जी और फल उनकी प्लेट पर सजाएं। अगर खाने की प्लेट रंगीन दिखेगी, वह जरूर चखेंगे। ऐसे ही टिफिन भी हमेशा अलग- अलग रंगों की सब्जी से सजा होना जरूरी है।

Other tricks: डिफरेंट शेप में परोसें, नाम बदल दें, फूड सिलेक्शन में रखें साथ, कार्टून कैरेक्टर्स का उदाहरण दें।

कार्टून कैरेक्टर्स का उदाहरण दें

अगर बच्चे कार्टून पसंद करते हैं तो उनके फेवरेट कैरेक्टर के बारे में खाते वक्त जान के बताएं कि वह कार्टून कैरेक्टर भी यही खाना खाता है। बच्चे अगर खाने से दूर भागते हैं तो वक्त-वक्त पर उन्हें खाने और कार्टून कैरेक्टर के जुड़ाव के बारेमें बताते रहें।

डिफरेंट शेप में परोसें

बच्चों के खाने को हमेशा डिफरेंट शेप में परोसना चाहिए। क्योंकि वे शक्ल देखकर खाना खाते हैं। इसलिए अपने पास वेजिटबल और फ्रूट कटर जरूर रखें। इस कटर से आप खाने को डिफरेंट शेप आसानी से दे सकती हैं। जैसे रोटी को त्रिकोण बना दिया और ब्रेड स्लाइस को स्टार। ऐसे ही ग्रेवी वाली सब्जियों को प्लेट में डालते वक्त उनसे कोई शेप बना लें, जैसे सूर्य, चांद आदि। इस तरह की प्रेजेंटेशन देकखर बच्चे आसानी से खाना खा सकते हैं।

नाम बदल दें

बच्चों के सामने सब्जियों के नाम अलग लें। जैसेमटर को ग्रीन मार्बल्स कहें, ब्रॉकली को बेबी ट्री। ऐसा करने से बच्चों के दिमाग में उन सब्जियों की अच्छी छवि बनेगी। जिससे उन सब्जियों को खिलाना आसान हो जाएगा। उनसे बात करते वक्त आप खुद से कुछ अलग नाम फल-सब्जी को दे सकती हैं।

फूड सिलेक्शन में रखें साथ

कभी खाना पकाते वक्त तो कभी फल-सब्जी खरीदते वक्त उन्हें साथ रखें। बच्चों को इन सभी चीजों में बड़ी दिलचस्पी होती है, तो उनकी इस दिलचस्पी को आप इस्तेमाल करें। बच्चे अपने सामने कुछ होते देखते हैं तो उसका हिस्सा जरूर बनना चाहते हैं। उनके सामने खाना खेल के तरीके से बनाएंगी तो वह खाना जरूर चखेंगे।

सूर्यास्त के आसपास भोजन करने के हैं फायदे

सेहत के दृष्टिकोण से रात का भोजन जल्दी कर लेने के कई फायदे हैं। हालांकि, आजकल की व्यस्त जिंदगी में लोग रात का भोजन देर से करते हैं, जिसका सेहत पर दुष्प्रभाव पड़ता है। आहार विशेषज्ञों के अनुसार, रात का खाना जल्दी खाना चाहिए या सोने के दो घंटे पूर्व खाएं। हमेशा हल्का व सात्विक भोजन लेना चाहिए। कोशिश यह करनी चाहिए कि सूर्यास्त के आसपास हमें रात का भोजन ग्रहण कर लेना चाहिए। बताया जाता है कि सूर्यास्त के साथ शरीर की फैट जलाने की शक्ति गायब हो जाती है। इसलिए अक्सर बड़े बुजुर्ग भी कहते हैं कि सुबह का नाश्ता जमकर, दोपहर का भोजन उससे कम व रात का भोजन बिलकुल कम लें। आयुर्वेद के अनुसार, प्रकृति और सूर्य की रोशनी से हमारे भोजन चक्र का गहरा संबंध है। यदि रात का भोजन जल्दी ग्रहण कर लिया जाए तो कई बीमारियों से बचा जा सकता है।

मोटापे से बचाव

डिनर (रात का भोजन) अक्सर दिनभर का अंतिम भोजन होता है। दिन ढलते ही शरीर की प्रक्रिया और मेटाबोलिज्म धीमा हो जाता है। यदि आप देर से खाते हैं, तो वह भोजन ऊर्जा में पूरी तरह तब्दील नहीं होता है। देर से किया भोजन फैट को बढ़ाता है, जिससे वजन बढ़ने लगता है।

गैस्ट्रोइन्टेस्टाइनल समस्या में कमी

जो व्यक्ति देर से भोजन करते हैं, उनमें पाचनतंत्र की समस्या जैसे एसिडिटी, छाती में जलन आदि उत्पन्न होते हैं। जब आप देर से सोने जाते हैं तो पेट का अम्ल बढ़ता है और यह समस्या को बढ़ाता है। जल्दी भोजन कर लेने से पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है।

बेहतर नींद

देर से भोजन के चलते खराब पाचन की क्रिया होती है, जिसका सीधा असर नींद पर पड़ता है।

शरीर के तंत्र में नवऊर्जा

रात का भोजन समय पर कर लेने से ब्रेन और दूसरे अंगों को फिर से स्फूर्तिदायक होने में मदद मिलती है। शरीर का सूर्योदय और सूर्यास्त से सीधा संबंध होता है। जब आप अपने शरीर को इसके अनुकूल काम करने देते हैं

नसों की कमजोरी से दिल के रोगों का खतरा

नसों की कमजोरी (इरेक्टाइल डिस्फंक्शन) दुनिया के 10 करोड़ से ज्यादा पुरुषों में पाई जाती है। इनमें से 50 प्रतिशत की उम्र 40 से 70 साल के बीच है। इस रोग से सबसे ज्यादा पीड़ित विकासशील देशों में से होने का अनुमान है। इस रोग के कारण हैं- बढ़ता तनाव, अस्वस्थ जीवनशैली और दिल के रोग। यहां के एडवांस फर्टीलिटी एंड गायनिकोलॉजिकल सेंटर की डायरेक्टर व आईवीएफ एंड इनफर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ. काबेरी बनर्जी ने बताया कि इरेक्टाइल डिस्फंक्शन और दिल के रोगों में अंतर-संबंध पाया गया है। दोनों एक साथ हो सकते हैं और दोनों के ही अपने-अपने खतरे हैं। दोनों के ही पैथोलॉजिकल आधार एक जैसे हैं, क्योंकि दोनों मामलों में तंतुओं की कार्यप्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह जानना बेहद अहम है कि जब नसों की कमजोरी 60 साल से कम उम्र के पुरुषों में होती है तो यह भविष्य में होने वाले दिल के रोगों के बढ़े हुए खतरे का संकेत भी होती है, जबकि इससे ज्यादा उम्र के लोगों के लिए यह समस्या किसी बड़े खतरे के संकेत वाली नहीं होती। डॉ. काबेरी का कहना है कि दिल के रोग जैसे कि रक्त धमनियों का सख्त होना, हाइपरटेंशन और हाई कॉलेस्टरॉल जैसे 70 प्रतिशत शारीरिक कारण नसों की कमजोरी की वजह हो सकते हैं। इन समस्याओं की वजह से दिल, दिमाग और लिंग की ओर रक्त के बहाव में बाधा पैदा हो जाती है। 60 साल की उम्र से ज्यादा के पुरुषों में नसों की कमजोरी की 50 से 60 प्रतिशत वजह केवल रक्त धमनियों का सख्त होना होता है। उन्होंने कहा कि कई शोधों में यह बात सामने आई है कि नसों की कमजोरी रक्त धमनियों की बीमारी का संकेत होती है, जिससे दिल के प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के मामले और मृत्यु होने की संभावना बढ़ जाती है। हम नसों की कमजोरी वाले मरीज की कलर डोपलर अल्ट्रासाउंड के साथ लिंग की ओर रक्त बहाव की जांच करते हैं, जिन्हें दिल के रोगों का खतरा होता है। डॉ. काबेरी ने कहा कि इस बारे में भी जानकारी होनी चाहिए कि ऐसी हालत में यौन संबंध बनाने के दौरान या तुरंत बाद दिल का दौरा पड़ने की हल्की सी आशंका हो सकती है। दिल के रोग से पीड़ित मरीज के यौन संबंध बनाने के दौरान मायोकार्डियल एस्केमिया के खतरे की जांच के लिए एक्सरसाइज टेस्ट की सलाह दी जाती है। लोगों को नसों की कमजोरी और उससे होने वाले दिल के रोग से बचने के लिए जीवनशैली में आवश्यक बदलाव करने की भी सलाह दी जाती है। मैसाचुसेट्स मेल एजिंग स्टडी के अनुसार, दिल के रोग से पीड़ितों में नसों की कमजोरी की आशंका 39 प्रतिशत तक होती और तंबाकू का सेवन करने वालों में इसकी आशंका डेढ़ से दोगुना तक हो जाती है। इसलिए बांझपन के विशेषज्ञों के लिए यह बात जाननी अहम है कि दिल के रोग और पुरुषों में नसों की कमजोरी ऐसी आम बीमारी है जो एक साथ होती है और नसों की कमजोरी पुरुषों में दिल के रोगों का संकेत हो सकती है। बकौल डॉ. काबेरी, अन्य बीमारियां जिनका संबंध नसों की कमजोरी से होता है, उनमें डॉयबिटीज, किडनी की बीमारी, न्यूरोलॉजिकल बीमारी और प्रोस्टेट कैंसर शामिल हैं। डायबिटीज जीवनशैली से जुड़ी ऐसी बीमारी है, जिससे नसें और रक्त धमनियां क्षतिग्रस्त हो सकती हैं और पुरुष के यौन अंग में तनाव आने में रुकावट बन सकती है।

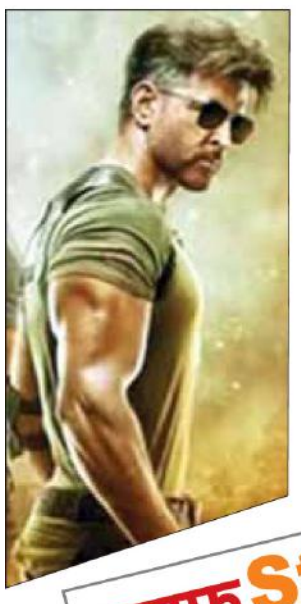

ऋतिक -कियारा का वॉर 2 में होगा रोमांटिक ट्रैक...

मुंबई। इन दिनों ऋतिक रोशन अपनी आगामी एक्शन ड्रामा फिल्म 'वॉर 2' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में ऋतिक के साथ पहली बार जूनियर एनटीआर नजर आएंगे। फिल्म को लेकर एक जानकारी सामने आई है, जिसके मुताबिक 'वॉर 2' में कियारा और ऋतिक का एक रोमांटिक ट्रैक हो सकता है, जिसको इटली में शूट किया जाएगा। निर्देशक अयान मुखर्जी 'वॉर 2' के प्रोडक्शन को इटली ले जाने की योजना बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 18 सितंबर से टीम इटली में ऋतिक और कियारा आडवाणी पर प्रीतम द्वारा रचित एक रोमांटिक सॉन्ग की शूटिंग शुरू होगी।

लाइफ Style

मलाइका

अर्जुन कपूर पर कसा तंज!

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मलाइका अरोड़ा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। उन्होंने हाल ही में एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जो वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में उन्होंने उन लोगों को दिल खास जगह देने की बात कही है, जो सुख और दुख में साथ रहते हैं।

मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम स्टेटस पर लिखा, 'हमेशा उन लोगों पर ध्यान दें, जो आपकी खुशी के लिए खुश हैं और आपके दुख के लिए दुखी हैं। वे ही लोग हैं, जो आपके दिल में एक खास जगह के हकदार हैं।' वैसे तो एक्ट्रेस ने कैप्शन में और कुछ नहीं लिखा है, लेकिन ये पोस्ट उन्होंने तब किया है, जब अर्जुन कपूर संग उनके ब्रेकअप की खबरें सुर्खियों में हैं। 50 साल की मलाइका अरोड़ा ने किया अब तक का सबसे मुश्किल वर्कआउट, शरीर का दर्द चेहरे पर साफ दिखा। बीते दिनों जब मलाइका विदेश में छुट्टियां बिता रही थीं, तब उन्होंने एक मिस्ट्री मैन की फोटो शेयर की थी। जैसे ही इस तस्वीर पर लोगों की नजर पड़ी, हर कोई दावा करने लगा कि उनकी जिंदगी में फिर से प्यार ने दस्तक दी है और वो किसी को डेट कर रही हैं। पर मलाइका ने अभी तक इसपर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। 50 साल की मलाइका फिटनेस पर खूब ध्यान देती हैं। वो जिम में खूब समय बिताती हैं और योगा करती हैं। वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं और अपने वीडियोज शेयर करती रहती हैं। अर्जुन कपूर की बात करें तो साल 2012 में 'इश्कजादे' फिल्म से अपने करियर की शुरुआत करने वाले एक्टर को पिछली बार 'द लेडी किलर' में देखा गया था, जो साल 2023 में रिलीज हुई थी।

हॉलीवुड मसाला

'वेनम- द लास्ट...' का ट्रेलर कल

लॉस एंजिल्स। वेनमः द लास्ट डांस के पहले ट्रेलर के बाद इस फिल्म से फैंस की उम्मीदें काफी ज्यादा बढ़ गई हैं। एडी ब्रॉक के रूप में टॉम हार्डी इस फिल्म में दोबारा नजर आने वाले हैं। यह फिल्म थ्री डी और आईमैक्स थ्री संस्करण में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। 12 सितंबर को इस फिल्म का फाइनल ट्रेलर जारी किया जाएगा। हालांकि, इससे कुछ दिन पहले फिल्म के निर्माताओं ने फैंस को एक खास सौगात दी है। दरअसल, अंतिम ट्रेलर से पहले फिल्म का एक 30 सेकंड का टीजर जारी किया गया है। फिल्म में टॉम हार्डी वेनम के रूप में नजर आएंगे।

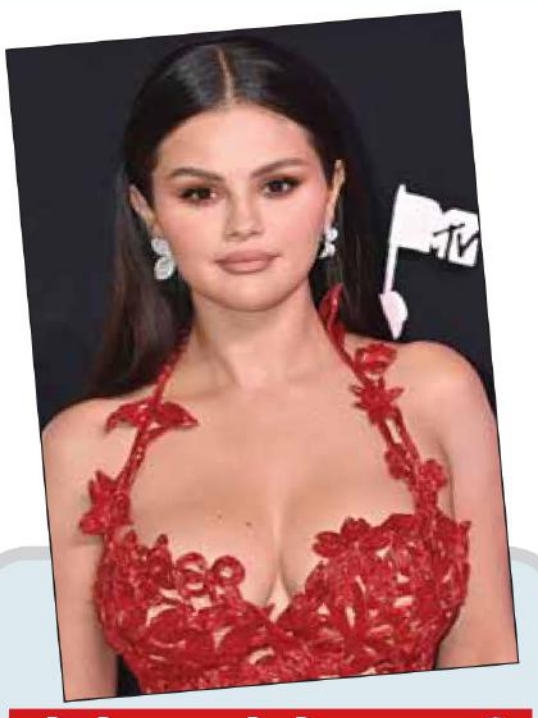

सेलेना गोमेज कभी नहीं बन पाएंगी मां!

लॉस एंजिल्स। अमेरिकन सिंगर, एक्ट्रेस, प्रोड्यूसर और बिजनेसवुमेन सेलेना गोमेज अपनी पर्सनल लाइफ के कारण अक्सर चर्चा में रहती हैं। उन्होंने अब एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। 32 साल की सिंगर ने कहा कि वो कभी मां नहीं बन पाएंगी। इसलिए वो सरोगेसी से बच्चा पैदा करेंगी या फिर किसी अनाथ बच्चे को गोद लेंगी। सेलेना ने ये भी बताया है कि आखिर वो कौन सी वजह है, जिसके कारण वो बच्चा पैदा नहीं कर सकती हैं! हाल ही में एक इंटरव्यू में ये खुलासा किया कि वो खुद के बच्चों को जन्म नहीं दे पाएंगी। उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें इस दिल दहला देने वाली सच्चाई से गुजरना पड़ा। वो कई दिनों तक इस गम से बाहर नहीं निकल पाई थीं। 32 साल की सेलेना गोमेज ने कहा, "मैंने पहले कभी ऐसा नहीं कहा, लेकिन दुर्भाग्य से, मैं अपने बच्चों को जन्म नहीं दे सकती।

किसी की न तो मदद लूंगी न ही सलाह ...

नई दिल्ली। बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री नीना गुप्ता की बेटी मसाबा गुप्ता अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। मसाबा के घर जल्द ही किलकारी गूंजने वाली है। अभिनेत्री से डिजाइनर बनी मसाबा इसी साल अक्टूबर अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं। अब हाल ही में, मसाबा ने मां बनने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है और साथ ही बताया है कि वह अपनी मां नीना गुप्ता से कितनी सहायता लेने वाली हैं। मसाबा ने एक साक्षात्कार में कहा कि एक 'हैंड्स-ऑन पैरेंट' बनना चाहती हैं, क्योंकि उन्होंने अपने जीवन में बहुत कुछ खुद ही किया है। उन्होंने कहा कि मैं कुछ चीजों में सही रहूंगी, कुछ चीजों में गलत रहूंगी, लेकिन हर दिन कुछ नया सीखूंगी।

मेकर्स ने प्रभास पर लगाया करोड़ों का दांव

नई दिल्ली। प्रभास इन दिनों एक शानदार स्थिति में हैं। पैन-इंडिया फेनोमेनन के रूप में मशहूर, प्रभास की करियर और सुपरस्टारडम आसमान छू रहे हैं। बाहुबली और बाहुबली 2 जैसी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली फिल्मों से लेकर सालार, कल्कि 2898 एडी, और कई अन्य प्रोजेक्ट्स तक, उन्होंने भारतीय सिनेमा में अपनी मजबूत पहचान बना ली है। उनके दर्शक उनकी फिल्मों के प्रति अटूट वफादारी दिखाते हैं, जिससे उन्हें लगातार ब्लॉकबस्टर हिट्स मिल रही हैं। बॉक्स ऑफिस पर उनकी भरोसेमंदी के कारण निर्माता उनके फिल्मों में बड़े बजट लगाने में संकोच नहीं करते। प्रभास के प्रोजेक्ट्स पर बजट - सालार 2: 340 करोड़ रुपए, स्पिरिट: 300 करोड़ रुपए, हनु राघवपुडी की अनटाइटल्ड फिल्म: 300 करोड़ रुपए, द राजा साब: 400 करोड़ रुपए, कल्कि 2: 700 करोड़ रुपए।

टीवी मसाला

अमिताभ से कंटेस्टेंट ने पूछा जया पर सवाल...

नई दिल्ली। सिनेमा के नामी परिवारों की बात होता है तो बच्चन परिवार का नाम सबसे पहले आता है। फिल्मों के साथ अक्सर उनके घर के सदस्यों को चर्चाएं होती रहती हैं। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन इन दिनों कौन बनेगा करोड़पति 16 में नजर आ रहे हैं। हाल ही में एक कंटेस्टेंट ने कुछ ऐसा सवाल पूछ लिया कि बिग बी भी सोच में पड़ गए। दरअसल, हॉटसीट पर बैठीं कंटेस्टेंट सुमित्रा दिनेश ने अमिताभ बच्चन से उनकी पत्नी जया बच्चन को लेकर सवाल किया। उन्होंने बिग बी से पूछा कि क्या जया बच्चन ने भी उनके साथ समय नहीं बिताने की शिकायत की है? ऐसा इसलिए क्योंकि वह लगातार केबीसी की शूटिंग कर रहे हैं। इस सवाल को सुनने के बाद अमिताभ बच्चन हंसी को रोक नहीं सके। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'ओहो क्या बताए? ये जो पारिवारिक सवाल पूछते हैं न लोग यहां आकर, उसमें हमको बड़ा कष्ट होता है।' इसके बाद बॉलीवुड सुपरस्टार ने उस समय को याद किया जब वह एक ही समय में 3 फिल्मों की शूटिंग कर रहे थे। इसके चलते बिग बी को अपने परिवार के साथ बिताने के लिए समय नहीं मिल पा रहा था।

डेब्यू शो में होने वाली थीं रिप्लेस फिर बन गईं टीवी स्टार...

नई दिल्ली। सुरभि चंदना टीवी की पॉपुलर स्टार्स में से एक हैं। उन्होंने 'इश्कबाज और 'संजीवनी' जैसे शोज से घर-घर अपनी पहचान बनाई। इसके बाद सुरभि चंदना ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह कई पॉपुलर टीवी शोज का हिस्सा रह चुकी हैं और अपनी अदाकारी से फैंस के दिलों को जीता है। सुरभि चंदना का 11 सितंबर को बर्थडे है। इस खास मौके पर बताते हैं कि कैसे एक्ट्रेस अपने पहले शो में रिप्लेस होते-होते बची थीं। सुरभि चंदना ने साल 2009 में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा से डेब्यू किया था। हालांकि, इसमें उनका रोल छोटा लेकिन अहम था। वह शो में स्वीटी की भूमिका में नजर आई थीं। इस शो की शूटिंग के दौरान सुरभि अच्छा परफॉर्म नहीं कर पा रही थीं। वह शूटिंग के दौरान बार-बार अपनी लाइन्स भूल रही थीं। कुछ समय पहले एक इंटरव्यू के दौरान सुरभि चंदना ने तारक मेहता शो से जुड़ा एक मजेदार किस्सा सुनाया था।

फिल्मी सितारों ने किए लालबाग के राजा के दर्शन

मुंबई। दुनियाभर में गणेश चतुर्थी का त्योहार मनाया जा रहा है। ऐसे में आम जनता से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री के तमाम सितारों को धूम-धाम से गणेश चतुर्थी मनाते हुए देखा गया। कई सितारों ने अपने घर बप्पा का स्वागत किया है। वहीं, इस खास मौके पर वरुण धवन और एटली कुमार 'लालबागचा राजा' का दर्शन करने पहुंचे। जल्द ही एटली कुमार की फिल्म 'बेबी जॉन' आने वाली है जिसमे वरुण धवन लीड रोल में है। दोनों की सेलेब फिल्म रिलीज से पहले और गणेश चतुर्थी के शुभ मौके पर गजानन का आशीर्वाद लेने पहुंचे।

बेटी के साथ बप्पा का आशीर्वाद लेने पहुंचीं ऐश्वर्या

ऐश्वर्या राय अपनी मां वृंदा राय और बेटी आराध्या बच्चन के साथ सोमवार शाम को मुंबई के जीएसबी चा राजा में गणपति बप्पा की पूजा करने पहुंचीं। भीड़ भरी सड़क पर तीनों को भारी सुरक्षा के साथ चलते हुए देखा गया। ऐश्वर्या इस दौरान गुलाबी रंग के आउटफिट में नजर आईं। वह अपनी मां से बात करती रहीं और सुरक्षा टीम की मदद से उन्हें आगे बढ़ने के लिए गाइड करती रहीं। आराध्या ने उनके दोनों हाथ पकड़ लिए और उनके साथ-साथ चलती रहीं। हालांकि इलाके में बहुत सारे सिक्योरिटी पर्सन मौजूद थे। लेकिन वहां काफी भीड़ थी और कई फैन्स ऐश्वर्या की एक झलक पाने की कोशिश कर रहे थे। पैपराजी ने ऐश्वर्या को पंडाल के पुजारी से बात करते और अपनी मां को आगे बढ़ने के लिए बताते हुए वीडियो शेयर किया।

कार्तिक आर्यन ने लालबाग के राजा के किए दर्शन

बॉलीवुड के बाकी सितारों की तरह अभिनेता कार्तिक आर्यन ने भी लालबाग के राजा के दर्शन किए। इस दौरान कार्तिक को देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हुए और जोर-जोर से भूल भुलैया 3 चिल्लाने लगे। अभिनेता ने मुस्कुराते हुए प्रशंसकों की तरफ हाथ हिलाया।

पति भी साथ आए नजर सनी लियोनी

सनी लियोनी अपने पति डेनियल वेबर के साथ मुंबई में लालबागचा राजा के दर्शन करते हुए देखी गईं। इस दौरान कपल ने ट्रेडिशनल ड्रेस पहने नजर आया था। तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गई हैं। तस्वीरों में सनी लियोनी गुलाबी रंग की अनारकली पहने हुए नजर आ रही हैं, जबकि डेनियल ने पीले रंग का कुर्ता और सफेद पायजामा पहना है। कैमरे के सामने पोज देते हुए दोनों काफी खुश नजर आ रहे हैं। कपल बप्पा का आशीर्वाद लेने के लिए नंगे पांव नजर आया। सनी लियोनी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक हैं। पिछले कुछ सालों में वह अपनी एक्टिंग और डांसिंग स्किल्स के जरिए भारतीय सिनेमा में अपनी पहचान बनाने में सफल रही हैं।

'देवरा' का ट्रेलर जारी

नई दिल्ली। 'देवरा' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म का जबर्दस्त तरीके से अब प्रचार भी किया जा रहा है। फिल्म की रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। वहीं, अब दर्शकों के उत्साह को आसमान तक पहुंचाने के लिए फिल्म के निर्माताओं ने 'देवरा' का धमाकेदार ट्रेलर भी जारी कर दिया है। ट्रेलर में जूनियर एनटीआर का दमदार अवतार देखने को मिला।

डरावनी कहानियों को खूब भुनाया है फिल्म निर्माताओं ने

'दो गज जमीन के नीचे' से 'स्त्री 2' तक, तकनीक के सहारे कितनी बदली फिल्मों के भूतों की काया?

नई दिल्ली। पुरानी फिल्मों में किसी महिला किरदार को भूत या चुड़ैल बनाते वक्त उसके आंखों में लेंस लगाया जाता था। आखों में डार्क मेकअप के साथ लंबे-लंबे दांत फिक्स कर दिए जाते और बालों को कुछ ऊबड़-खाबड़ सा और बिखरा हुआ दिखाया जाता। ज्यादा से ज्यादा हुआ तो पैरों को उल्टा दिखा दिया। वहीं, लड़कों को भूत के रूप में दिखाते वक्त भी कुछ ऐसे ही प्रयोग होते थे। हैवी मेकअप और फटे-पुराने से कपड़े। लेकिन, अब तकनीक का जमाना है और वीएफएक्स का इस्तेमाल सिर्फ एक्शन सीक्वेंस के लिए नही नहीं, बल्कि भूतों को दिखाने के लिए भी होने लगा है। अब भूतों के डराने के लिए सिर्फ पानी की टप-टप और किवाड़ की चरमर ही नहीं सुनाई देती और भी कई प्रयोग हो रहे हैं।

'दो गज जमीन के नीचे' का भूत

यह फिल्म वर्ष 1972 में रिलीज हुई। यह फिल्म अमीर साइंटिस्ट राजवंश और उसकी धोखेबाज पत्नी अंजली की कहानी पर है। इसमें साइंटिस्ट का किरदार सुरेंद्र कुमार ने अदा किया था। वहीं, अंजली की भूमिका में शोभना नजर आईं। फिल्म क्योंकि हॉरर है तो इसमें काफी डरावने दृश्य हैं। इस फिल्म में सत्येन कप्पू, धूमल, हेलन और इम्तियाज खान जैसे कई सितारों ने मुख्य भूमिका निभाई। फिल्म में राजवंश की संपत्ति के लिए अंजली उसे अपने पुराने प्रेमी के साथ मिलकर मार देती है और लाश को कब्रिस्तान में दफना दिया जाता है। फिर, अपनी मौत का बदला लेने के लिए राजवंश जॉम्बी के रूप में वापस आता है। फिल्म में जॉबी दिखाने के लिए एक्टर के हैवी मेकअप किया गया है।

'कंचना' का भूत

साउथ सिनेमा की क्लासिक हॉरर फिल्मों में कंचना शामिल है। इस फिल्म के भूत ने दर्शकों पर अलग छाप छोड़ी। फिल्म में राघव नाम का एक कैमरामैन है, जो भूतों से डरता है। फिल्म की कहानी राघव लॉरेंस के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर एक आत्मा कब्जा कर लेती है। वह औरतों जैसा व्यवहार करने लगता है। फिल्म में एक लड़की को चुड़ैल बनाया गया है, लेकिन उसे डरावना दिखाने के लिए मेकअप नहीं, बल्कि लाइटिंग और एक्सप्रेशन्स का इस्तेमाल किया गया है।

हिंदुस्तान की लोक कहानियों में भूत-प्रेतों का किस्सा जरूर होता है। इन डरावनी कहानियों में दिलचस्पी भी खूब ली जाती है और लोगों की इस दिलचस्पी को फिल्म निर्माताओं ने भी खूब भुनाया है। एक्शन, थ्रिलर, ड्रामा, कॉमेडी और रोमांटिक फिल्में एक तरफ और हॉरर का तड़का एक तरफ। हॉरर फिल्मों की दीवानगी किस तरह है, इसका अंदाज फिलहाल तो 'स्त्री 2' के कलेक्शन पर नजर डालकर लगाया जा सकता है। हॉरर फिल्मों के प्रति दर्शकों की इस लगाव की नब्ज पकड़कर इसमें समय के साथ-साथ बदलाव भी हुए हैं। फिल्मों में पहले मेकअप के सहारे किरदारों को भूत-प्रेत का हुलिया दिया जाता था। लेकिन, अब तकनीक का सहारा लिया जाता है।

'जानी दुश्मन' में जब संजीव कुमार बने भूत

हॉरर फिल्मों की लिस्ट में 'जानी दुश्मन' भी है। इसमें संजीव कुमार भूत के रूप में नजर आए। इस फिल्म में दुल्हन के जोड़े में किसी महिला को देखकर 'भूत' भड़क जाता था और उसे किडनैप कर लेता है। फिल्म में भूत को भालू की तरह दिखाया गया था। शत्रुघ्न सिन्हा के चेहरे पर हैवी मेकअप किया गया था। वहीं, भालू की तरह दिखाने के लिए बालों का भी इस्तेमाल किया गया। फिल्म में संजीव कुमार एक और किरदार में भी थे, इसलिए उनको दो-दो कॉस्ट्यूम बदलने पड़ते थे।

खबर संक्षेप

एडनॉक 15 साल तक आईओसी को एलएनजी आपूर्ति करेगी

नई दिल्ली। अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडनॉक) सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन को सालाना 10 लाख टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति करेगी। इसके लिए आईओसी ने तीसरे एलएनजी आपूर्ति सौदे पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की कंपनी एडनॉक के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। अबू धाबी मीडिया कार्यालय ने कहा कि एडनॉक अपने रूवैस एनजी प्रोजेक्ट से 15 साल तक 10 लाख टन एलएनजी की आपूर्ति करेगी।

टाटा पावर के तिरुनेलवेली सौर सेल में उत्पादन शुरू

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की प्रमुख बिजली कंपनी टाटा पावर ने तमिलनाडु के तिरुनेलवेली कारखाने में सौर सेल का उत्पादन शुरू कर दिया है। इससे सूर्य के प्रकाश को बिजली में परिवर्तित करने के लिए जरूरी सौर सेल और मॉड्यूल के घरेलू स्तर विनिर्माण को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी की अनुषंगी टीपी सोलर लि. ने बयान में कहा कि तिरुनेलवेली में विनिर्माण संयंत्र में दो गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) सौर सेल इकाई से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो गया है।

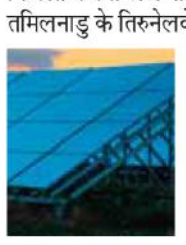

सोना 600 रुपए और चांदी 700 रुपए मजबूत

नई दिल्ली। आभूषण विक्रेताओं की ताजा खरीदारी के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 600 रुपये बढ़कर 74,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। इससे पिछले कारोबारी सत्र सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 73,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत भी 700 रुपये बढ़कर 84,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसका पिछला बंद भाव 83,800 रुपये प्रति किलोग्राम था।

एनटीपीसी ने यूएसएआईडी के साथ किया समझौता

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने अमेरिकी एजेंसी यूएस-एआईडी के साथ यहां एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस शुरूआती समझौते का मकसद एनटीपीसी टाउनशिप और कार्यालयों को शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन वाला क्षेत्र बनाने के लिए खाका तैयार करना है। एनटीपीसी की सोमवार को जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, कंपनी ने यूएस-एआईडी(यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट) के साथ उसके इंडिया मिशन के जरिये यहां एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

बजाज हाउसिंग के आईपीओ को मिला पूर्ण अभिदान

नई दिल्ली। बजाज हाउसिंग फाइनेंस के 6,560 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली खुलने के कुछ ही घंटों में पूर्ण अभिदान मिल गया।

पहले दिन के अंत में आईपीओ को दोगुना अभिदान मिला। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी की शुरुआती शेयर बिक्री में 72,75,75,756 शेयरों के मुकाबले 1,46,58,24,030 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं, जो 2.01 गुना अभिदान है। गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए निर्धारित हिस्से को 4.35 गुना अभिदान मिला।

दुनिया का पहला खरबपति कौन होगा, इस बार भारतीय हासिल कर सकते हैं रुतबा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया के सबसे अमीर शख्स टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क हैं। उनकी संपत्ति 241 अरब डॉलर है। ऐसा माना जाता है कि अरबपति एलन मस्क ही दुनिया के पहले खरबपति भी बनेंगे। वह यह रुतबा साल 2027 तक हासिल कर सकते हैं। हालांकि, इस बार दुनिया का पहला खरबपति भारत से भी हो सकता है।

ऐसा माना जाता है कि गौतम अदाणी भी 2028 तक खरबपति बन जाएंगे। हालांकि, मुकेश अंबानी को इस जादुई आंकड़े तक पहुंचने में थोड़ा और वक्त लगेगा। वह 2033 में खरबपति बन सकते हैं। ऐसे में अगर गौतम अदाणी ने थोड़ा और तेजी से अपना कारोबार फैलाया तो वह एलन मस्क से पहले खरबपति बनकर यह रुतबा भारत में ला सकते हैं। इंफोर्मा कनेक्ट अकेडमी की रिपोर्ट के अनुसार, एलन मस्क और गौतम अदाणी के बीच पहला खरबपति बनने की जंग तेजी से चल रही है। दुनिया का पहला ट्रिलेनियर बनने के लिए एलन मस्क को 110 फीसदी सालाना की दर से अपनी संपत्ति बढ़ानी होगी। गौतम अडाणी को इसी माइलस्टोन तक पहुंचने के लिए 123 फीसदी सालाना की दर से अपनी संपत्ति बढ़ानी होगी। हालांकि, अडाणी ग्रुप का कारोबार जिस तेजी से बढ़ रहा है, ऐसे में गौतम अडाणी खरबपति बनने की दौड़ में एलन मस्क को कड़ी टक्कर देंगे, ऐसा माना जा सकता है।

टेस्ला के मालिक एलन मस्क के खरबपति बनने संभावना ज्यादा

रिलायंस बन सकती है पहली ट्रिलेनियर कंपनी

ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार, मुकेश अंबानी 111 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के 11वें सबसे अमीर आदमी हैं। गौतम अडाणी इसी लिस्ट में 99.5 अरब डॉलर नेट वर्थ के साथ 13वें नंबर पर हैं। मगर, गौतम अडाणी की संपत्ति मुकेश अंबानी से तेजी से बढ़ रही है। मुकेश अंबानी को भले ही खरबपति बनने के लिए 2033 तक इंतजार करना पड़ेगा लेकिन, उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की पहली ट्रिलेनियर कंपनी बन सकती है। उसे यह माइलस्टोन हासिल करने में 2035 तक का समय लगेगा।

ये कारोबारी भी ट्रिलेनियर बनने की होड़ में

इसके अलावा ताइवान की सेमीकंडक्टर कंपनी टीएसएमसी साल 2025 तक ट्रिलियन डॉलर कंपनी बन सकती है। इसका मार्केट कैप फिलहाल 893.7 बिलियन डॉलर है। इसके अलावा बर्कशायर हैथवे, एली लिली, बॉडकॉम और टेस्ला भी इस मुकाम को हासिल करने में लगी हुई हैं। एनविडिया के जेनसन हुआंग, इंडोनेशिया के प्रजोगा पंगेस्तु, फ्रांस के बर्नार्ड अर्नोल्ट, फेसबुक के सीईओ मार्क जकरबर्ग भी जल्द ट्रिलेनियर बन सकते हैं।

फिक्की और भारतीय बैंक संघ ने संयुक्त रिपोर्ट जारी की

बैंक जमा की तुलना में ऋण वृद्धि अधिक होने से नकदी की चुनौतियां संभव : रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बैंकों की तरफ से दिए जाने वाले ऋण की वृद्धि दर जमा वृद्धि से अधिक होने से बैंकिंग प्रणाली के समक्ष आने वाले समय में नकदी की चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। एक रिपोर्ट में यह आशंका जताई गई है। उद्योग मंडल फिक्की और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की एक संयुक्त रिपोर्ट कहती है कि ऋण वृद्धि के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए जमा को बढ़ाना और ऋण लागत को कम रखना बैंकों के एजेंडा में सबसे ऊपर है। रिपोर्ट के मुताबिक, सर्वेक्षण के मौजूदा दौर में 67 प्रतिशत उत्तरदाता बैंकों ने कुल जमा में चालू खाता और बचत खाता (कासा) जमा की हिस्सेदारी कम होने की बात कही है। रिपोर्ट में कहा गया है, प्रतिभागी बैंकों से मिली जानकारी के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में उच्च और आकर्षक दरों के कारण सावधि जमा में तेजी आई है।भाग लेने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के 80 प्रतिशत बैंकों ने 2024 की पहली छमाही के दौरान बचत खाते एवं चालू खाते में जमा की हिस्सेदारी घटने की सूचना दी। निजी क्षेत्र के भी आधे से अधिक बैंकों ने कासा जमा कम होने की सूचना दी। इस सर्वेक्षण का 19वां दौर जनवरी से जून, 2024 के दौरान चला। सर्वेक्षण में सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र और विदेशी बैंकों सहित कुल 22 बैंकों ने भाग लिया। इनकी कुल बैंकिंग उद्योग में करीब 67 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिपोर्ट के मुताबिक, 71 प्रतिशत बैंकों ने पिछले छह महीनों में गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) के स्तर में कमी की सूचना दी है। सार्वजनिक क्षेत्र के 90 प्रतिशत बैंकों का एनपीए इस अवधि में घटा है जबकि निजी क्षेत्र के बैंकों में से 67 प्रतिशत ने कमी का हवाला दिया है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष बताते हैं कि बुनियादी ढांचा, धातु, लोहा और इस्पात जैसे क्षेत्रों के लिए दीर्घकालिक ऋण मांग में निरंतर वृद्धि हुई है। इसके पीछे बुनियादी ढांचे क्षेत्र पर सरकार के पूंजीगत व्यय को बढ़ावा देना एक कारण हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, बैंकों और वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों के बीच साझेदारी में नवाचार को बढ़ावा देने, सेवा वितरण में सुधार करने और वित्तीय समावेशन को बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं।

- जमा को बढ़ाना और ऋण लागत को कम रखना एजेंडे में

खास बातें

- 67 फीसदी ने कासा की हिस्सेदारी कम होने की बात कही
- पिछले कुछ माह में आकर्षक दरों के कारण सावधि जमा में तेजी आई

एमएसएमई को ऋण पांच लाख करोड़ देने का लक्ष्य

सरकार का अगले दो वर्षों में सीजीटीएमएसई योजना के जरिये सूक्ष्म और लघु उद्यमों को दी जाने वाली क्रेडिट गारंटी को पांच लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने का लक्ष्य है। अतिरिक्त सचिव और विकास आयुक्त (सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम) रजनीश ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पिछले दो वर्षों में चार लाख करोड़ की गारंटी देने में सक्षम

रजनीश ने बताया कि पिछले दो वर्षों में सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) के जरिये चार लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी दी गई। रजनीश ने यहां फिक्की के एक कार्यक्रम में कहा, 22 वर्षों में सीजीटीएमएसई ने कुल 2.6 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी दी। लेकिन, पिछले दो वर्षों में हम चार लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी देने में सक्षम रहे हैं और अगले दो वर्षों में हम इसे पांच लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने का इरादा रखते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश तीन फीसदी बढ़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इक्विटी म्यूचुअल फंड ने अगस्त में भी अपनी मजबूत गति जारी रखी और थीम आधारित योजनाओं से मिले मजबूत योगदान से इनमें 38,239 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में दर्ज 37,113 करोड़ रुपये के शुद्ध प्रवाह से यह तीन प्रतिशत अधिक रहा। लगातार 42 महीने से इक्विटी कोषों में शुद्ध प्रवाह जारी है। कोटक महिंद्रा एएमसी के राष्ट्रीय प्रमुख (बिक्री, विपणन तथा डिजिटल व्यापार) मनीष मेहता ने कहा, '' एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) और एनएफओ (नई कोष पेशकश) के प्रवाह के साथ शुद्ध प्रवाह उत्साहजनक बना हुआ है। एनएफओ के कारण योजनाओं की क्षेत्रीय/विषयगत श्रेणी में मजबूत प्रवाह देखा गया।

- अगस्त में निवेश बढ़कर 38,239 करोड़ रुपए

जुलाई में निवेश कम रहा

हालांकि, इस खंड में निवेश जुलाई के 18,386 करोड़ रुपये और जून के 22,352 करोड़ रुपये की तुलना में कम रहा। अगस्त में ऋण-उन्मुख योजनाओं में 45,169 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ, जो पिछले महीने के 1.2 लाख करोड़ रुपये से 62 प्रतिशत कम है।

शुरुआत 2026 से ईवी वाहनों के साथ होगी

भारत में हाइब्रिड, बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों की योजना : स्कोडा चेयरमैन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चेक कार विनिर्माता स्कोडा ऑटो भारतीय बाजार में माइल्ड हाइब्रिड से लेकर पूरी तरह से इलेक्ट्रिक वाहनों को पेश करेगी। इसकी शुरुआत वर्ष 2026 में एक शुरुआती स्तर के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के साथ होगी। स्कोडा ऑटो के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) क्लॉस जेलमर ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सीईओ ने कहा कि स्कोडा ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की पेशकश को लेकर एक योजना बनाई है और उसी के हिसाब से काम करेगी। कंपनी वर्ष 2026 में एक शुरुआती स्तर की ईवी लेकर आएगी जिसे भारत के लिए एक विकल्प के रूप में पेश किया जाएगा। उसके बाद कंपनी एसयूवी एन्याक और एक अन्य कॉम्पैक्ट एसयूवी एलरॉक भी लेकर आएगी।

जेलमर ने भारतीय वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के वार्षिक सम्मेलन में कहा, ''हमारे पास एक ठोस योजना है। हमारी योजना कारों की पूरी रेंज, माइल्ड हाइब्रिड, प्लग-इन हाइब्रिड और बैटरी ईवी के साथ पूरा पोर्टफोलियो लाने की है।'' जेलमर ने कई प्रौद्योगिकी विकल्पों पर विचार की वजह के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''हमारा मानना है कि हमें ग्राहकों की उस इच्छा का सम्मान करना चाहिए जो वे आवागमन के लिए इस्तेमाल करना चाहते हैं।''इलेक्ट्रिक उत्पादों का ब्योरा देते हुए जेलमर ने कहा, हमारे पोर्टफोलियो में वर्तमान में एक प्रवेश स्तर का मॉडल शामिल है जिसे हम 2026 में पेश करेंगे। यह भारत के लिए एक विकल्प है।

- कंपनी एसयूवी एन्याक लेकर आएगी

कार बैटरी ईवी एन्याक होगी

भारत के लिए अगली कार बैटरी ईवी एन्याक होगी जिसे हम वर्तमान में यूरोप में बेचते हैं। स्कोडा ऑटो वर्ष 2018 में घोषित एक कारोबारी योजना के तहत भारत में फॉक्सवैगन समूह में नई जान फूंकने के अभियान की अगुवाई कर रही है।

एफएटीएफ भारत पर पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट जारी करेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक अपराध निगरानी संस्था एफएटीएफ 19 सितंबर को जारी होने वाली 'पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट' में आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से निपटने के लिए भारत के कदमों पर प्रकाश डालेगी। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को जानकारी दी कि रिपोर्ट में प्राथमिकता वाले कार्रवाई क्षेत्रों के बारे में भी बताया जाएगा। वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) ने जून में भारत पर पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट को स्वीकार किया और देश को 'नियमित अनुवर्ती' श्रेणी में रखा था। यह वैश्विक निगरानी संस्था की उच्चतम रेटिंग है और केवल चार अन्य जी20 देशों को यह रेटिंग मिली है। 'नियमित अनुवर्ती श्रेणी' वाले देशों को स्वैच्छिक आधार पर तीन साल में एक बार एफएटीएफ को अनुवर्ती रिपोर्ट देनी होती है।

भारत को 37 मापदंडों में सर्वोच्च रेटिंग

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एफएटीएफ के 40 मापदंडों में भारत को 37 मापदंडों में सर्वोच्च रेटिंग मिली है। सूत्रों ने बताया कि 19 सितंबर की रिपोर्ट में एफएटीएफ प्राथमिकता वाले कार्य बिंदु का उल्लेख करेगी। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में अधिकांश मापदंडों पर भारत को सकारात्मक रेटिंग मिलेगी, जबकि कुछ ऐसे बिंदु होंगे जिनपर एफएटीएफ ने सुधार का सुझाव दिया है।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन रही तेजी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अमेरिकी बाजारों में तेजी और विदेशी कोषों की ताजा खरीदारी से उत्साहित स्थानीय शेयर बाजार मंगलवार को लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 362 अंक की तेजी दर्ज की गई जबकि निफ्टी एक बार फिर 25,000 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर बंद हुआ। कारोबारियों ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), दूरसंचार और चुनिंदा बैंकिंग शेयरों में लिवाली के चलते शेयर बाजारों में तेजी की धारणा रही। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 361.75 अंक चढ़कर 81,921.29 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 104.70 अंक बढ़कर 25,041.10 अंक पर पहुंच गया। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''अमेरिकी मुद्रास्फीति और फेडरल रिजर्व के नीतिगत रुख की तरफ निवेशकों का ध्यान जाने से घरेलू बाजार ने क्रमिक सुधार दिखाया। हालांकि, निकट अवधि में अमेरिकी राजनीति से जुड़े जोखिम और मंदी की आशंकाएं वैश्विक बाजार धारणा को सतर्क कर सकती हैं।'' एशिया के अन्य बाजारों में चीन के शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग के हैंगसेंग में तेजी रही जबकि दक्षिण कोरिया के कॉस्पी और जापान के निक्की में गिरावट रही।

- सेंसेक्स 362 और निफ्टी 102 अंक चढ़ा

एनटीपीसी रहा बढ़त में

सेंसेक्स की कंपनियों में से एनटीपीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और अदाणी पोर्ट्स बढ़त के साथ बंद हुईं।

बजाज फिनसर्व में गिरावट

इसके उलट बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के शेयरों में गिरावट का रुख रहा।

चीन के अगस्त माह के निर्यात में आई 8.7 प्रतिशत की वृद्धि

विदेशों में बढ़ती मांग से निर्यात में आई तेजी

एजेंसी ▶▶ हांगकांग

चीन के निर्यात में लगातार पांचवें महीने वृद्धि दर्ज की गई, जो विदेशों में बढ़ती मांग का संकेत है। हालांकि, धीमी होती चीनी अर्थव्यवस्था के बीच आयात में गिरावट आई है। चीन के सीमा शुल्क का र्यालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में निर्यात पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 8.7 प्रतिशत बढ़कर 308.65 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। यह अर्थशास्त्रियों के करीब 6.5 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। जुलाई में निर्यात सात प्रतिशत की दर से बढ़ा था। अगस्त में यह आंकड़ा 18 महीने में सबसे मजबूत है। इसकी बड़ी वजह अगस्त 2023 में कम आधार है, जब निर्यात में 8.8 प्रतिशत की गिरावट आई थी। तुलनात्मक रूप से, एक साल पहले की तुलना में आयात में केवल 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह अर्थशास्त्रियों द्वारा लगाए गए करीब दो प्रतिशत के अनुमान से कम है।

- धीमी होती चीनी अर्थव्यवस्था से आयात में नरमी

विनिर्माण गतिविधियां निचले स्तर पर आई

फैक्टरी प्रबंधकों के एक आधिकारिक सर्वेक्षण के अनुसार अगस्त में चीन की विनिर्माण गतिविधि छह महीने के निचले स्तर पर आ गई, पिछले सप्ताह जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार क्रय प्रबंधक सूचकांक 49.1 पर आ गया। 50 से नीचे का आंकड़ा विनिर्माण गतिविधि में संकुचन को दर्शाता है।

गूगल को यूरोपीय संघ की अपीलीय अदालत से नहीं मिली राहत

लंदन। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल पर प्रतिस्पर्धा मानकों के उल्लंघन पर यूरोपीय आयोग की तरफ से लगाए गए 2.4 अरब यूरो के जुर्माने के आदेश को ऊपरी अदालत ने मंगलवार को बरकरार रखा। इंटरनेट पर सर्च के दौरान अपने खरीद सुझावों को प्रतिद्वंद्वियों पर अवैध बढ़त देने के मामले में यूरोपीय संघ की निचली अदालत ने गूगल पर 2.4 अरब यूरो (2.7 अरब डॉलर) का भारी जुर्माना लगाया था। इस फैसले के खिलाफ गूगल ने यूरोपीय संघ के 'कोर्ट ऑफ जस्टिस' में अपील की थी। लेकिन अमेरिकी कंपनी को वहां से भी कोई राहत नहीं मिली। न्यायालय ने एक बयान में कहा, "इस अपील को 'कोर्ट ऑफ जस्टिस' खारिज करता है और सामान्य अदालत के फैसले को बरकरार रखता है।" वर्ष 2017 में प्रतिस्पर्धा आयोग के मूल फैसले में गूगल पर प्रतिस्पर्धियों के नुकसान के लिए उपयोगकर्ताओं को अपनी खुद की गूगल शॉपिंग सेवा पर गलत तरीके से निर्देशित करने का आरोप लगाया गया था।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव कृष्णन ने प्रतिबद्धता जताई

चिप परियोजना के लिए धन की कोई समस्या नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने कहा है कि सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक संयंत्रों के लिए करीब 62,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन की प्रतिबद्धता जताई है और सेमीकंडक्टर परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण की कोई समस्या नहीं है। कृष्णन ने बताया कि पहले स्वीकृत 76,000 करोड़ रुपए में से सरकार के पास अब भी छोटी परियोजनाओं को समायोजित करने की गुंजाइश है और जब नई परियोजनाएं आएंगी तो सरकार प्राधिकारियों से संपर्क करेगी। उन्होंने कहा, सेमीकंडक्टर मिशन के लिए निर्धारित 76,000 करोड़ रुपये में से हमने करीब 62,000 करोड़ रुपये देने की प्रतिबद्धता जतायी है।

- सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक संयंत्रों के लिए 62,000 करोड़ प्रोत्साहन राशि दी

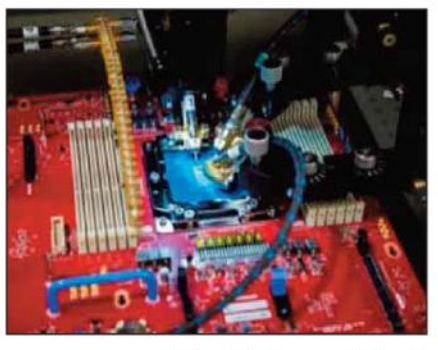

पांच चिप परियोजनाओं को मंजूरी

इसमें केन्स के लिए मंजूर की गई अंतिम योजना भी शामिल है। अबतक जहां भी दावे आए हैं, हम उन्हें तेजी से निपटा रहे हैं और फिलहाल वित्तपोषण की कोई समस्या नहीं है। सरकार ने करीब 1.52 लाख करोड़ रुपये या करीब 18 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश वाली पांच सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

छोटी परियोजनाओं के लिए धन राशि है

कृष्णन ने कहा, ' हमारे पास अब भी छोटी परियोजनाएं शुरू करने और उन्हें मंजूरी देने के लिए कुछ धनराशि है। इसके बाद जब कुछ नए प्रस्ताव आएंगे तो हमें मंजूरी के लिए वित्त मंत्रालय और मंत्रिमंडल का रुख करना होगा।' उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर मिशन को सफल बनाने के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

चिप मिशन के लिए 20 प्रस्ताव मिले

कृष्णन ने कहा, 'अगर अतिरिक्त वित्तपोषण की आवश्यकता होगी, तो मुझे विश्वास है कि हम इसे हासिल कर पाएंगे...' सरकार को भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत केंद्र के प्रोत्साहन के लिए करीब 20 प्रस्ताव मिले हैं।

कई बड़े ब्रांड भारत में डिजाइन करते हैं

सचिव ने कहा कि डिजाइन परिवेश में भारत की महत्वपूर्ण उपस्थिति है और सेमीकंडक्टर डिजाइन के लिए आवश्यक वैश्विक मानव संसाधनों का 20 प्रतिशत भारत में ही उपलब्ध है। कृष्णन ने कहा कि कई बड़े ब्रांड वास्तव में भारत में ही डिजाइन करते हैं।

अमित शाह ने आई4सी के चार साइबर प्लेटफॉर्म्स का किया शुभारंभ

साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम पहलू बनी, 5 साल में 5 हजार साइबर कमांडो तैयार होंगे, साइबर अपराधों को रोकने में मिलेगी मदद

अमित शाह ने कहा है कि साइबर सुरक्षा अब केवल डिजिटल दुनिया तक सीमित न रहकर राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम पहलू भी बन गई है। कोई भी एक संस्था अकेले साइबर स्पेस को सुरक्षित नहीं रख सकती। यह तभी संभव है जब कई स्टेकहोल्डर्स एक ही मंच पर आकर एक रास्ते पर आगे बढ़ें।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि साइबर सुरक्षा के बिना किसी भी देश का विकास असंभव है। उन्होंने कहा कि तकनीक मानव जीवन के लिए आशीर्वाद साबित होती है लेकिन तकनीक के बढ़ते उपयोग से कई खतरे भी पैदा हो रहे हैं और इसीलिए साइबर सुरक्षा अब केवल डिजिटल दुनिया तक सीमित न रहकर राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम पहलू भी बन गई है। शाह ने कहा कि आई4सी जैसे प्लेटफॉर्म इस प्रकार के खतरों से निपटने में बहुत बड़ा योगदान कर सकते हैं। साइबर कमांडो कार्यक्रम के तहत 5 साल में लगभग 5 हज़ार साइबर कमांडो तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। अमित शाह ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आई4सी के प्रथम स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह बातें कही।

देश में एक साझा साइबर डेटा कोष बनेगा

एआई के उपयोग से अपराधियों को पहचानेंगे

साइबर सस्पेक्ट रजिस्ट्री एक साझा मंच

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में हर राज्य के पास साइबर सस्पेक्ट रजिस्ट्री अलग-अलग रहने से किसी उद्देश्य की पूर्ति नहीं होगी क्योंकि राज्यों की अपनी सीमा है लेकिन साइबर अपराधियों की कोई सीमा नहीं है। उन्होंने कहा कि ये समय की मांग थी कि राष्ट्रीय स्तर पर एक सस्पेक्ट रजिस्ट्री बनाई जाए और राज्यों को इसके साथ जोड़कर साइबर अपराध से लड़ने के लिए एक साझा मंच तैयार किया जाए। इस पहल से आने वाले दिनों में साइबर अपराधों की रोकथाम में हमें बहुत मदद मिलेगी।

साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के बारे में जागरूक करें

आई4सी की सबसे बड़ी उपलब्धि 1930 राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर है। उन्होंने कहा कि इसे पॉपुलर करने की जिम्मेदारी सभी राज्य सरकारों और स्टेकहोल्डर्स की है। उन्होंने कहा कि सभी राज्य सरकारें और गृह मंत्रालय इनीशिएटिव लेकर मिलकर 6 महीने बाद एक जागरूकता पखवाड़ा आयोजित करें। इससे निश्चित रूप से फ्रॉड के शिकार लोगों सुरक्षित महसूस करेंगे, तुरंत इसकी रोकथाम होगी और फ्रॉड करने वालों के मन में भी भय उत्पन्न होगा।

विश्व का 46% डिजिटल ट्रांजेक्शन वॉल्यूम आज भारत में हो रहा

गृह मंत्री ने कहा कि विश्व का 46% डिजिटल ट्रांजेक्शन वॉल्यूम आज भारत में हो रहा है। जब डिजिटल अकाउंट और डिजिटल ट्रांजेक्शन बढ़ते है, तो डिजिटल फ्रॉड से सुरक्षा की जरूरत भी बहुत अधिक बढ़ जाती है। आज 2,13,000 पंचायत इंटरनेट से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल ट्रांजेक्शन और डिजिटल डेटा का उपयोग बढ़ने से इसे साइबर फ्रॉड से सुरक्षित करने की जिम्मेदारी भी बहुत अधिक बढ़ गई है। साइबर अपराधियों द्वारा महत्वपूर्ण व्यक्तिगत डेटा की बिक्री, ऑनलाइन उत्पीड़न, महिला और बाल शोषण, फर्जी समाचार और टूल किट, मिस इनफॉरमेशन कैंपेन जैसी चुनौतियां हैं।

खबर संक्षेप

राशिद को कोर्ट से राहत चुनाव प्रचार कर सकेंगे

जम्मू। इंजीनियर राशिद को दिल्ली की एक कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। उन्हें दो अक्तूबर तक अंतरिम जमानत मिल गई है। कोर्ट ने उन्हें जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए यह राहत दी है। बता दें, अब्दुल रशीद उर्फ इंजीनियर रशीद वर्तमान में आतंकी फंडिंग के मामले में यूएपीए के तहत दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं।

कन्हैया ने बदला मन कांग्रेस में नहीं जाएंगे

पंचकूला। 'जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे' गाने वाले कन्हैया मित्तल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि वह कांग्रेस नहीं ज्वाइन करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों से मुझे यह अहसास हुआ कि मेरे सभी सनातनी भाई-बहन व भाजपा का शीर्ष नेतृत्व मुझे बहुत प्यार करता है। इससे पहले उन्होंने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन करने की बात कही थी।

केरल में मुंबई के डब्बा वालों की कहानी पढ़ाएंगे

मुंबई। मुंबई के विश्व प्रसिद्ध डब्बावालों की कहानी को केरल में कक्षा 9वीं की अंग्रेजी की किताब में 'द सागा ऑफ़ द टिफ़िन कैरियर्स' नाम से शामिल किया जाएगा। इसे लेखक ह्यूग और कोलीन गैंटज़र ने लिखा है। केरल राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने 2024 के लिए अपने अपडेटेड सिलेबस में 'डब्बावालों' की कहानी को शामिल किया है।

'सिद्ध' दवाओं से एनीमिया बीमारी हो रही है ठीक

नई दिल्ली। इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज में हाल ही में प्रकाशित एक स्टडी में दावा किया गया है कि 'सिद्ध' दवाओं के मिश्रण के इस्तेमाल से किशोरियों में एनीमिया बीमारी में सुधार हो रहा है। आयुष मंत्रालय ने बताया कि इस अध्ययन में 2,648 लड़कियों को शामिल किया गया, जिनमें से 2,300 लड़कियों ने मानक 45-दिवसीय कार्यक्रम पूरा किया।

केरल उच्च न्यायालय ने सरकार की आलोचना की

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने मंगलवार को राज्य की वाम मोर्चे की सरकार की खिंचाई करते हुए कहा कि न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट पर उसकी निष्क्रियता 'चिंताजनक' है। न्यायमूर्ति ए के जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति सी एस सुधा की विशेष खंडपीठ ने कहा कि सरकार को रिपोर्ट वर्षों पहले मिल गई थी और उसे तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए थी।

मणिपुर: राजभवन कूच कर रहे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों की भिड़ंत

आंसू गैस के गोले दागे, 5 दिन बंद रहेगा इंटरनेट तीन जिलों में निषेधाज्ञा लागू, दो जिलों में कर्फ्यू

मणिपुर की राजधानी इंफाल में राजभवन की ओर मार्च करने की कोशिश कर रहे छात्रों, महिला प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच मंगलवार को झड़प हो गई। प्रदर्शनकारी मणिपुर सरकार के डीजीपी और सुरक्षा सलाहकार को हटाने की मांग कर रहे हैं।

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर की राजधानी इंफाल में राजभवन की ओर मार्च करने की कोशिश कर रहे छात्रों, महिला प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच मंगलवार को झड़प हो गई। हालात पर काबू पाने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़े। प्रदर्शनकारी मणिपुर सरकार के डीजीपी और सुरक्षा सलाहकार को हटाने की मांग कर रहे हैं। इससे पहले सोमवार से ख्वाइरामबंद महिला बाजार में डेरा डाले सैकड़ों छात्रों ने बीटी रोड के साथ राजभवन की ओर मार्च करने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस भवन के पास सुरक्षा बलों ने उन्हें रोक दिया। मणिपुर विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी विरोध रैली निकाली। इस बीच मौजूदा हालात के मद्देनजर इंफाल पूर्व और पश्चिम जिलों में कर्फ्यू लगा दिया है।

थौबल में बीएनएसएस की धारा 163 (2) के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। पूरे राज्य में अगले पांच दिन के लिए इंटरनेट बंद कर दिया गया है। अधिसूचना के मुताबिक, मणिपुर राज्य के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में 10 सितंबर को दोपहर तीन बजे से 15 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक पांच दिनों के लिए लीज लाइन, वीसैट, ब्रॉडबैंड और वीपीएन सेवाओं सहित इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित-रोकने का आदेश दिया गया है।

ताजा हिंसक घटनाओं में राज्य में 8 लोगों की मौत, 12 से अधिक घायल

प्रदर्शनकारी डीजीपी और सुरक्षा सलाहकार को हटाने की मांग कर रहे

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरूपयोग रोकना जरूरी

राज्य सरकार के गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि राष्ट्र-विरोधी और असामाजिक तत्वों की साजिशों और गतिविधियों को नाकाम करने, शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने, जानमाल के नुकसान या खतरे को रोकने, सार्वजनिक हित में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त उपाय करना जरूरी हो गया है। इसमें विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे टैबलेट, कंप्यूटर, मोबाइल फोन आदि पर व्हाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए गलत सूचना और झूठी अफवाहों के प्रसार को रोकना और भीड़ जुटाने के लिए बल्क एसएमएस भेजना शामिल है।

आवश्यक सेवाएं कर्फ्यू के दायरे से बाहर

राज्य के तीन जिलों में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। इंफाल पूर्व और पश्चिम जिलों में लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने से रोकने के लिए अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया है, जबकि थौबल में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 (2) के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। आदेश में कहा गया है कि जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने के कारण कर्फ्यू में छूट से संबंधित पूर्व के आदेश तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए गए हैं, इसलिए अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से इंफाल पूर्वी जिले में पूर्ण कर्फ्यू लगा दिया गया है। हालांकि, मीडिया, बिजली, अदालत और स्वास्थ्य समेत आवश्यक सेवाओं को कर्फ्यू के दायरे से बाहर रखा गया है।

छात्र प्रतिनिधियों ने सीएम व राज्यपाल के समक्ष छह मांगें रखीं

राज्य में ताजा हिंसक घटनाओं में कम से कम आठ लोगों की मौत हो चुकी है और 12 से अधिक लोग घायल हुए हैं। बाद में छात्रों ने सीएम एन. बीरेन सिंह और राज्यपाल आचार्य से मुलाकात की। छात्र प्रतिनिधियों ने बताया कि उन्होंने छह मांगें रखी हैं, जिसमें पुलिस महानिदेशक और राज्य सरकार के सुरक्षा सलाहकार को उनकी कथित विफलता के लिए हटाने की मांग शामिल है। यह भी मांग की कि एकीकृत कमान, जिसकी वर्तमान में अध्यक्षता केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के पूर्व डीजी कुलदीप सिंह कर रहे हैं, उसे राज्य सरकार को सौंप दिया जाए।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ डॉक्टर्स

ड्यूटी पर नहीं लौटे, 51 लोगों को अस्पताल प्रबंधन ने थमाया नोटिस

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

कोलकाता रेप-मर्डर केस में करीब एक महीनों से छुट्टी पर चल रहे आरजी कर मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर्स ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ ड्यूटी पर नहीं लौटने का फैसला किया है। इस पर आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ने 51 चिकित्सकों को नोटिस जारी किया है।

उन्हें 11 सितंबर को जांच समिति के सामने पेश होने को कहा गया है। उन पर संस्थान के लोकतांत्रिक माहौल को खतरे में डालने, डराने-धमकाने की संस्कृति को बढ़ावा देने और काम करने वाले माहौल को खराब करने का आरोप है। अस्पताल प्राधिकरण ने नोटिस में कहा है कि उन्हें समिति के सामने अपनी बेगुनाही साबित करनी होगी। आरजी कर अस्पताल की विशेष परिषद समिति के निर्णय के मुताबिक, जांच समिति की ओर से बुलाए जाने तक उन 51 डॉक्टर्स के लिए संस्थान के परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित है। नोटिस पर अस्पताल के प्रिंसिपल का हस्ताक्षर है। नोटिस में कहा गया है कि उनके लिए कॉलेज की गतिविधियों में भाग लेना प्रतिबंधित है।

'काम बंद' जारी रखेंगे डॉक्टर

पश्चिम बंगाल में प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टर्स ने कहा कि वे आरजी कर अस्पताल की मृतक डॉक्टर के लिए न्याय की मांग को लेकर अपना 'काम बंद' जारी रखेंगे। सैकड़ों जूनियर चिकित्सकों ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन की ओर मार्च किया और आर जी कर अस्पताल में बलात्कार एवं हत्या की पीड़िता चिकित्सक के लिए न्याय की मांग की। इसके साथ ही प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने मामले में कोलकाता के पुलिस आयुक्त एवं कई स्वास्थ्य अधिकारियों के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शनकारी डॉक्टर पिछले सप्ताह लालबाजार में रीढ़ की हड्डी का मॉडल लेकर गए थे। इस बार प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने साल्ट लेक के सेक्टर-5 में पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय की ओर मार्च करते हुए झाड़ू और मस्तिष्क का मॉडल दिखाया। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों का उद्देश्य राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र को 'साफ' करना और डॉक्टरों की दुर्दशा के बारे में शीर्ष अधिकारियों को 'सोचने' के लिए मजबूर करना है।

पूर्व प्राचार्य घोष न्यायिक हिरासत में

पूर्व प्राचार्य संदीप घोष को कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में मंगलवार को विशेष सीबीआई अदालत ने 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालत ने उनके सुरक्षाकर्मी अफसर अली और दो कथित सहयोगियों (ठेकेदार वेंडर बिप्लब सिन्हा और सुमन हाजरा) को भी 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अदालत को बताया कि यदि आवश्यकता हुई, तो वह पुनः उनकी हिरासत की मांग करेगा। घोष को सीबीआई ने वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में दो सितंबर को गिरफ्तार किया था। अदालत ने तीन सितंबर को उन्हें आठ दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया था।

महाराष्ट्र में राजनीतिक हलचल तेज

शाह और पवार की गुप्त बैठक का खुलासा, सीट बंटवारे पर हुई चर्चा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। हाल ही में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुप्त बैठक की। अमित शाह से मुलाकात के बाद अजित पवार ने कहा कि हमारे बीच महायुति के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत की। जल्द ही हम सभी 288 सीटों पर चर्चा करने के लिए एक साथ बैठेंगे। अजित पवार ने कहा कि ज्यादातर चर्चा हो चुकी है, लेकिन कुछ सीटें बची हुई हैं जिन पर जल्द ही चर्चा की जाएगी।

अजित ने आगे कहा कि हमारी अंतिम चर्चा के बाद सही संख्या पता चलेगी कि किसको कितनी सीट मिलती है। अजित पवार ने ये भी बताया कि उन्होंने शाह के साथ किसानों की समस्या को भी उठाया। उन्होंने कपास और सोयाबीन से जुड़ी खेती के मुद्दों पर उनसे चर्चा की।

केजरीवाल सरकार को बर्खास्त करें

दिल्ली के भाजपा विधायकों ने राष्ट्रपति मुर्मू को सौंपा खत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा के विधायकों ने दिल्ली सरकार को बर्खास्त करने की मांग को लेकर एक खत लिखा है। भाजपा विधायकों ने राष्ट्रपति से दिल्ली सरकार को बर्खास्त करने की मांग को लेकर खत सौंपा था। राष्ट्रपति सचिवालय ने इस पर संज्ञान लिया है।

राष्ट्रपति सचिवालय के निदेशक शिवेन्द्र चतुर्वेदी ने नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता को पत्र भेजा है। इसमें लिखा है कि भाजपा विधायकों ने 30 अगस्त को राष्ट्रपति से मुलाकात कर उन्हें खत दिया था। उसे संज्ञान

में लेते हुए उचित कार्रवाई के लिए गृह मंत्रालय को भेज दिया गया है।

वहीं दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा कि आने वाले दिल्ली चुनाव में भाजपा पहले ही हार मान चुकी है। भाजपा चोर दरवाजे से केजरीवाल सरकार को बर्खास्त करना चाहती है।

कामना को पूरा करो जाऊं बलिहारी

भगवान गणेश जी की स्थापना के बाद से देश के कई भागों में 10 दिन से पहले भी उनका जल में विसर्जन किया जाता है। अमृतसर में विसर्जन से पहले गणेश जी के कान में अपनी मनोकामना पूरी करने का आशीर्वाद मांगती एक श्रद्धालु।

हरियाणा चुनाव: भाजपा ने जारी की 21 उम्मीदवारों की दूसरी सूची

प्रदेश अध्यक्ष और 2 मंत्रियों के टिकट कटे, 2 मुस्लिम प्रत्याशी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। इस सूची में 21 उम्मीदवार घोषित किए गए हैं। जारी की गई सूची में भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष मोहन बड़ौली और 2 मंत्रियों समेत 7 विधायकों के टिकट काटे गए हैं। एक सीट से उम्मीदवार बदल दिया है।

पिछला चुनाव हारे 2 पूर्व मंत्रियों को फिर से टिकट दिया गया है। 2 मुस्लिम चेहरों को चुनाव में उतारा गया है। बता दें, भाजपा ने पहली सूची में 67 उम्मीदवारों की घोषणा की थी। भाजपा अब तक 90 में से 87 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर चुकी है। अब महेंद्रगढ़, सिरसा और फरीदाबाद एनआईटी से उम्मीदवार की घोषणा बाकी है। हरियाणा में 12 सितंबर तक नामांकन होना है। 4 अक्टूबर को वोटिंग होगी और 8 अक्टूबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा और पहलवान योगेश्वर दत्त का टिकट कटा

सिर्फ महेंद्रगढ़, सिरसा और फरीदाबाद एनआईटी की घोषणा

9 के नाम बदले

सूची में 2 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया गया है। इनमें फिरोजपुर झिरका से नसीम अहमद और पुन्हाना से एजाज खान को उतारा गया है। मुस्लिम बहुल तीसरी सीट नूंह से हिंदू नेता संजय सिंह को मौका दिया गया है। सूची में भाजपा ने पिछली बार चुनाव लड़े 9 उम्मीदवारों को बदल दिया है। इनमें बड़े नामों में राई से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन बड़ौली और गोपाल कांडा के भाई गोविंद कांडा हैं। लाडवा से पिछला चुनाव लड़ने वाले पवन सैनी की सीट बदली गई है। उन्हें लाडवा की जगह नारायणगढ़ सीट से उतारा गया है। इस बार लाडवा से सीएम नायब सैनी को उम्मीदवार बनाया गया है।

2 महिलाओं को टिकट

भाजपा ने दूसरी सूची में 2 महिलाओं को टिकट दिया है। इसमें सोनीपत की राई सीट से प्रदेश अध्यक्ष मोहन बड़ौली की जगह कृष्णा गहलावत और गुरुग्राम की पटौदी (रिजर्व) सीट से बिमला चौधरी को टिकट दिया है। रेवाड़ी की बावल सीट से मंत्री बनवारी लाल का टिकट काट कर उनकी जगह स्वास्थ्य निदेशक के पद से इस्तीफा देने वाले कृष्ण कुमार को मैदान में उतारा गया है। फरीदाबाद की बड़खल सीट से शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा का टिकट काटा गया है। उनकी जगह पर धनेश अदलखा को उतारा गया है। बरोदा से पहलवान योगेश्वर दत्त की टिकट काट दी गई है।

सियाम के सम्मेलन में बोले गडकरी

हर साल रोड एक्सिडेंट में 1.68 लाख की मौत, हर घंटे 53 सड़क हादसे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में सरकारी आंकड़ों के अनुसार हर घंटे 53 रोड एक्सिडेंट होते हैं और इनमें 18 लोगों की मौत होती है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली में सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के वार्षिक सम्मेलन में रोड सेफ्टी पर लोगों का ध्यान आकर्षिक करते हुए दिल को हिला देने वाले आंकड़े पेश किए।

नितिन गडकरी ने कहा कि देश में हर घंटे 53 सड़क हादसे होते हैं और इनमें 19 लोगों की मौत होती है। हर साल 5 लाख रोड एक्सिडेंट होते हैं और इनमें 1.68 लाख लोगों को मौत होती हैं। इनमें 60 प्रतिशत मौतें 18 से 36 साल की उम्र के लोगों की होती हैं। यह काफी गंभीर मामला है। 45 प्रतिशत सड़क हादसे टू-व्हीलर्स की वजह से होते हैं। वहीं, 20 पर्सेंट मौतें सड़क किनारे चलने वालों की होती हैं। साल 2022 में टू-व्हीलर चलाते समय हेलमेट ना पहनने की वजह से 30 हजार लोगों की मौत हुई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)